विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, गुरुवार, 19 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 165 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

ज्ञानामृत

आपत्तियां मनुष्यता की कसौटी हैं। इन पर खरा उतरे बिना कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता।

▶▶ पंडित रामप्रताप त्रिपाठी

न्यूज इन शॉर्ट

उज्जैन के नफीस ने धर्म बदलने का दबाव बनाया, मामला दर्ज

विजय मत, ब्यूरो उज्जैन। उज्जैन में एक हिंदू लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। मामला मंगलवार दोपहर का है। नफीस खान ने कानू पटेल बनकर एक युवती से सोशल

मीडिया पर दोस्ती की और बातचीत करने लगा। कुछ समय बाद युवती को पता चला कि जिससे वह प्यार करती है, वह मुस्लिम है। इसके बाद उसने बातचीत बंद कर दी। तभी युवक ने युवती के परिवार वालों को जान से मारने की धमकी देकर पार्क में मिलने बुलाया। यहां उसने कहा कि शादी करनी पड़ेगी और धर्म भी बदलना पड़ेगा। मना करने पर छेड़छाड़ शुरू कर दी। युवती ने शोर मचाया तो भीड़ जमा हो गई। कुछ देर में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता पहुंचे और उसकी जमकर पिटाई कर दी। बाद में थाने पहुंची युवती ने भी एफआईआर दर्ज कराई है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिकी ब्याज दर निर्णय से पहले सतर्कता के कारण बुधवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज

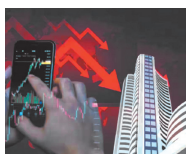

की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 138.64 अंक या 0.16 प्रतिशत गिरकर 81,444.66 अंक पर बंद हुआ। कमजोर शुरुआत के बाद सुबह के कारोबार में इंडेक्स 81,858.97 के उच्च स्तर पर पहुंच गया, लेकिन बाद में बढ़त बरकरार नहीं रख सका। सेंसेक्स 346.29 अंक या 0.42 प्रतिशत गिरकर 81,237.01 के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 41.35 अंक या 0.17 प्रतिशत गिरकर 24,812.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे ज्यादा 1.79 प्रतिशत घाटे में रही।

केवाईसी एजेंसियों को मिलेगी मान्यता, निवेशकों को होगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) के लिए बड़ा प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत केवाईसी एजेंसियों को अब मान्यता एजेंसी के रूप में काम करने की अनुमति दी जा सकती है।

वर्तमान में यह सुविधा केवल स्टॉक एक्सचेंज और डिपॉजिटरी की सहायक कंपनियों तक ही सीमित है। सेबी ने इस प्रस्ताव पर 8 जुलाई तक आम जनता से सुझाव मांगे हैं। परामर्श पत्र में सेबी ने कहा कि मान्यता एजेंसियों के लिए पात्रता मानदंड को विस्तारित किया जा सकता है, ताकि सभी केआरए मान्यता एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए पात्र हो। वर्तमान में बाजार में सिर्फ दो मान्यता एजेंसियां काम कर रहीं हैं। सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड, जो सीडीएसएल की सहायक कंपनी है।

अब 15 दिन के भीतर घर पहुंचेगा मतदाता पहचान पत्र: ईसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि उसने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिससे मतदाता पहचान पत्र अब मतदाता सूची में अपडेट (नया नामांकन या किसी जानकारी में बदलाव) के 15 दिनों के भीतर मतदाता को भेज दिया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि अभी तक मतदाता पहचान पत्र पहुंचने में एक महीने से ज्यादा का समय लग जाता है। आयोग ने कहा कि नई प्रणाली के तहत मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) बनने से लेकर डाक विभागके जरिए मतदाता तक पहुंचने तक हर चरण की रियल-टाइम ट्रैकिंग की जा सकेगी। यह प्रक्रिया निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा कार्ड जनरेट किए जाने के बाद से शुरू होगी। चुनाव निकाय ने बताया कि इसके साथ ही हर चरण में मतदाता को संदेश (एसएमएस) के जरिए जानकारी दी जाएगी।

ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने किया जंग का ऐलान, कहा-

इस्राइल ने हमला कर बड़ी गलती की ईरान कभी आत्मसमर्पण नहीं करेगा

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने इजराइल के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा-जंग शुरू और हम आतंकी यहूदी शासन को कड़ा जवाब देंगे। अब कोई दया नहीं दिखाएंगे और इस ऐलान के बाद ईरान ने 25 मिसाइलें दागीं। ईरानी मीडिया के अनुसार इजराइल पर फतह मिसाइल से हमला किया है और यह पहली बार है जब इस जंग में फतह-1 का इस्तेमाल किया है। फतह मिसाइल हाइपरसोनिक है, यानी यह आवाज की गति से 5 गुना तेज उड़ती है। फतह मिसाइलों ने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को भेद दिया और बार-बार उनके सुरक्षित ठिकानों को निशाना बनाने में सफल हुई है। अमेरिका इजराइल की रक्षा के लिए जमीन, समंदर और हवा से अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। आईआरजीसी ने कहा अब ईरान का इजराइल के आसमान पर कब्जा हो गया है। आईआरजीसी ने कहा कि फतह मिसाइलों ने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया। अब अमेरिका, इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करेगा इसको लेकर ट्रम्प ने कोई फैसला नहीं लिया है। ट्रम्प को उम्मीद में हैं कि अगर अमेरिका सैन्य कार्रवाई की धमकी देता है तो ईरान बातचीत करेगा और अमेरिका की शर्तों को मान लेगा।

भारत से इजराइली हमलों की निंदा की उम्मीद: ईरान

भारत में ईरानी मिशन के डिप्टी चीफ मोहम्मद जवाद होसैनी ने हाल ही में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की ईरानी विदेश मंत्री के साथ बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'कोई भी देश किसी दूसरे देश पर हमला करने का बहाना नहीं बना सकता। क्योंकि अगर उसे कोई खतरा महसूस होता है, तो उसके पास इसका सबूत होना चाहिए। इजराइल के पास कोई सबूत नहीं था। इसके बावजूद उसने ईरान पर हमला किया। यह अपने आप में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। एस जयशंकर ने इस मुद्दे पर बातचीत की। ईरान को भारत जैसे मित्र देशों से इन हमलों की निंदा करने की उम्मीद है।

'अमेरिका को भारी नुकसान होगा'

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ ईरान से 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए खामनेई ने कहा, 'जो लोग ईरान के इतिहास को जानते हैं, वे जानते हैं कि धमकी की भाषा ईरानी जनता के लिए कभी काम नहीं करती। अमेरिका को पता होना चाहिए कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का अंजाम अपूरणीय नुकसान के रूप में होगा।'

तेहरान में फिर इजराइली हमला, धमाके के बाद चारों ओर फैला धुआं

ईरान की राजधानी तेहरान में फिर से इजराइली हमलों की खबरें हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान के पूर्वी हिस्से में कई जगह धमाकों की आवाजें सुनी गईं और धुआं उठता देखा गया। इजराइल डिफेंस फोसने भी हमले की पुष्टि की है। तेहरान में ईरानी सरकार के सैन्य ठिकानों पर एयरफोर्स के हमले जारी हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू आज रात यरुशलम में अपनी सुरक्षा कैबिनेट की इमरजेंसी बैठक बुलाई है। इसकी जानकारी टाइम्स ऑफ इजराइल ने एक कैबिनेट मंत्री के कार्यालय के हवाले से दी है।

ईरान अब बातचीत चाहता है, लेकिन बहुत देर हो चुकी है: डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है कि ईरान अब बातचीत करना चाहता है, लेकिन इसके साथ उन्होंने ये भी कहा कि- बातचीत के लिए बहुत देर हो चुकी है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा था कि ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा।

कतर को भेजा गया विशेष संदेश

इस तनाव के बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कतर के अमीर को एक गोपनीय पत्र भेजा है। हालांकि पत्र की सामग्री सार्वजनिक नहीं की गई, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, परमाणु कूटनीति और इस्राइल-ईरान तनाव को लेकर बातें हो सकती हैं।

जायोनिस्टों के लिए कोई रहम नहीं: खामनेई

बुधवार को एक्स पर खामनेई ने लिखा, 'हमें आतंकवादी जायोनिस्ट शासन को जोरदार जवाब देना होगा। जायोनिस्टों के लिए कोई रहम नहीं होगी।' खामनेई का यह बयान तब आया जब ईरान ने इस्राइल की बमबारी के जवाब में मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें ईरान के मुताबिक हाइपरसोनिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल हुआ।

जी7 आउटरीच सत्र में बोले पीएम मोदी

भारत का '4ए' मॉडल, ऊर्जा सुरक्षा का संतुलित दृष्टिकोण

कौशल बढ़ाने के लिए एआई जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 देशों के आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी नवाचार और मानव केंद्रित विकास की दिशा में भारत की प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रखा। सत्र का मुख्य विषय था- 'ऊर्जा सुरक्षा:विविधता, तकनीक और बुनियादी ढांचा ताकि बदलती दुनिया में पहुंच और वहन क्षमता सुनिश्चित की जा सके।'

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी द्वारा दिए गए आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया और जी7 समूह को उसकी 50वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सतत विकास के जरिए ही हल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीकी नवाचार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई आज कौशल और नवाचार को बढ़ाने का एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है, लेकिन साथ ही यह ऊर्जा की खपत भी तेजी से बढ़ा रहा है। ऐसे में यह अनिवार्य है कि एआई आधारित प्रणालियां स्वच्छ, हरित और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों से संचालित हों।उन्होंने कहा कि भारत का तकनीकी दृष्टिकोण मानव केंद्रित है- यानी ऐसी तकनीक, जो आम नागरिकों के जीवन को आसान और बेहतर बनाए।

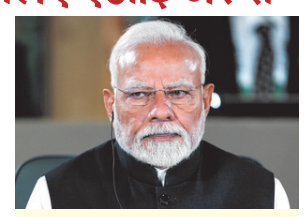

भारत का '4ए' मॉडल

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की ऊर्जा नीति का परिचय देते हुए '4ए दृष्टिकोण' पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत की समावेशी और टिकाऊ विकास नीति चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है...

उपलब्धता (Availability)
पहुँच (Accessibility)
वहन क्षमता (Affordability)
स्वीकार्यता (Acceptability)

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि भारत भले ही दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, लेकिन उसने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले ही पूरा कर लिया है।

चरण पादुका योजना: 21 को जशपुर से सीएम करेंगे शुभारंभ

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय और सुविधा पहुंचाना ही सरकार की प्राथमिकता: साय

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 21 जून को जशपुर जिले के तपकरा में चरण पादुका वितरण योजना का प्रदेशव्यापी शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री इस मौके पर तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिलाओं को चरण पादुका वितरित करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्प पत्र में चरण पादुका योजना को फिर से शुरू किये जाने का वादा किया था।जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया था। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। यह योजना सीधे-सीधे राज्य के 12 लाख 40 हजार तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिलाओं को लाभ पहुंचाएगी। जिन्हें चरण पादुका का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा हमारी सरकार की प्राथमिकता हमेशा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय और सुविधा पहुंचाना है। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों का राज्य की अर्थव्यवस्था और वनोपज आधारित आजीविका में अमूल्य योगदान है। चरण पादुका योजना हमारे संकल्प पत्र का वादा था, जिसे हम पूरा करने जा रहे हैं। यह सिर्फ चरण पादुका का वितरण नहीं, बल्कि संग्राहक परिवार के स्वाभिमान और सुरक्षा का प्रतीक है। सीएम ने आगे कहा- चरण पादुका वितरण योजना की शुरुआत इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ सरकार तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की आवश्यकता, सम्मान और गरिमा का ध्यान रख रही है।

15 अगस्त से 3,000 रुपए के फास्टैग रिचार्ज से कर सकेंगे 200 ट्रिप

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार निजी वाहनों के लिए फास्टैग आधारित वार्षिक पास पेश करेगी, जिसकी कीमत 3,000 रुपये होगी। यह 15 अगस्त से प्रभावी होगा। यह राजमार्गों पर परेशानी मुक्त यात्रा की दिशा में एक कदम है। गडकरी ने कहा कि यह पास एक्टिवेशन की तारीख से एक साल या 200 ट्रिप तक, जो भी पहले हो, के लिए वैध है। यह पास खास तौर पर गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए बनाया गया है।

ट्रंप-मोदी की बात पर देश में सियासत शुरू

ट्रंप से क्या बात हुई, विपक्ष को अवगत कराने सर्वदलीय बैठक बुलाए प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, आज फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भोजन करने का निमंत्रण मिला है। असीम मुनीर ने जो भड़काऊ बात कही थी, उसका संबंध सीधा पहलगाम में हुए आतंकी हमले से था। मैं समझता हूं कि व्हाइट हाउस में ऐसे व्यक्ति को भोजन के लिए आमंत्रित करना हमारी कूटनीति और प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 14 बार यह दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता के कारण ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया गया था। आज विदेश सचिव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच 35 मिनट तक फोन पर बात हुई। प्रधानमंत्री मोदी को एक सर्वदलीय बैठक रखकर इस बातचीत से विपक्ष के नेताओं को अवगत कराना चाहिए। वे (प्रधानमंत्री मोदी) संवाद से क्यों भाग रहे हैं?

विदेश सचिव ने सब कुछ बता दिया है, अब इसमें कोई भ्रम या संदेह नहीं है: भाजपा

भाजपा का पलटवार

भाजपा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, 'विदेश सचिव ने सब कुछ बता दिया है, अब इसमें कोई भ्रम या संदेह नहीं है। भारत एक बदला हुआ भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ किसी समझौते के मूड में नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खत्म होने तक जारी रहेगा, इस बात की इससे स्पष्ट चर्चा विश्व पटल पर नहीं हो सकती।' भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस पार्टी जी7 सम्मेलन और जाति जनगणना पर झूठ फैला रही थी। इसी कांग्रेस ने भारतीय सेना के विरोध में कई झूठ फैलाए थे।

रायपुर एयरपोर्ट: इंडिगो फ्लाइट का गेट लॉक, आधे घंटे फंसे रहे पूर्व सीएम, रायपुर मेयर सहित 35 यात्री

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट माना में उस समय खलबली मच गई, जब दिल्ली से रायपुर पहुंची फ्लाइट इंडिगो का गेट लॉक हो गया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई थी। करीब 40 मिनट तक गेट लॉक रहा। बड़ी बात ये रही कि इस फ्लाइट में प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, विधायक चातुरी नंद और रायपुर की मेयर मीनल चौबे समेत 35 से ज्यादा लोग इसमें बैठे हुए थे। मिली जानकारी के मुताबिक, तकनीकी वजहों से इंडिगो फ्लाइट का गेट लॉक हो गया था। 40 मिनट के बाद किसी तरह से गेट खुला और यात्रियों ने राहत की सांस ली। सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह फ्लाइट दिल्ली से रायपुर दोपहर 2.25 बजे पहुंची थी।

छत्तीसगढ़ में जमीन गाइड लाइन की नई दर 1 जुलाई से होगी लागू, महंगी होगी प्रॉपर्टी

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में जमीन की कीमत जल्द ही बढ़ने वाली है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 1 जुलाई से जमीन गाइड लाइन की नई दर लागू होने वाली है। इससे पहले पंजीयन विभाग ने प्रदेश के 33 जिलों में जमीन की प्रचलित दर का सर्वे पूरा कर लिया है। फिलहाल मूल्य का विश्लेषण जिलेवार और क्षेत्रवार किया जा रहा है। इस काम में पिछले कुछ महीनों में हुई देर की वजह से नई गाइड लाइन जारी करने में विलंब हुआ है। खास बात ये है कि राज्य में आठ साल बाद नई दरें लागू होने जा रहीं हैं। नई दरें आने से किसानों को सबसे अधिक फायदा होगा। दरअसल राज्य में सबसे अधिक जमीनें किसानों के पास ही है। किसी भी उपयोग के लिए सरकार द्वारा जो अभी जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है उसका मुआवजा मौजूदा गाइडलाइन दर पर होता है। जबकि किसानों की रोड से लगी जमीनों की असली कीमत गाइड लाइन से 10-10 गुना तक अधिक है। अब सरकार किसान की जमीन लेगी तो उसे भी नई दरों के हिसाब से मुआवजा देना होगा। जमीनों के सौदे के मामले में माना जाता है कि अधिकांश बड़ी टाउनशिप, कालोनियों के निर्माण के दौरान बिल्डर गाइडलाइन रेट के बजाय अपने हिसाब से जमीन की कीमत ग्राहक से वसूलते हैं और अंतर की राशि कच्चे में ली जाती है। यानी कम कीमत की जमीन का मूल्य अत्याधिक बढ़ाकर बिल्डर पैसा वसूलते हैं।

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर 3 नक्सली लीडर ढेर

इनमें 40 लाख का इनामी गजरला भी

विजय मत, ब्यूरो जगदलपुर

छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर मारेडपल्ली में हुई मुठभेड़ में ग्रेहाउंड्स फोर्स ने नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर गजरला रवि, अरुणा समेत 3 बड़े कैडर्स को मार गिराया है। गजरला 40 लाख का इनामी था। फिलहाल मुठभेड़ खत्म हो गई है। इलाके में सर्चिंग जारी है। मामला आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीताराम जिले का है। एनकाउंटर में मारी गई अरुणा स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी और नक्सली लीडर चलपति की पत्नी है। इस पर 20 लाख का इनाम था। आंध्र के अल्लुरी सीताराम जिले के एसपी अमित बरदार ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

मुझे मेरी बीवी से बचाओ... मुख्यमंत्री से लगाई गुहार, बोला-

पत्नी अपने दो प्रेमियों से कराना चाहती है मेरा कत्ल

बहादुरगढ़, एजेंसी

सात फरवरी को पत्नी के साथ फेरों के बंधन में बंधने वाले पति को पांच माह में ही पत्नी के प्रेमी से हत्या का खतरा सताने लगा है। इस बीच एक बार उस पर जानलेवा हमला हो भी चुका है। ऐसे में अपनी पत्नी से जान बचाने को लेकर पीड़ित ने पंचायत से लेकर तमाम प्रयास करने के बाद अब अधिकारियों से सुरक्षा की मांग की है। मेरठ के जागृति विहार में रहने वाले एक युवक का विवाह इसी वर्ष सात फरवरी को स्याना के बुगरासी चौकी क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले एक गांव निवासी की बेटी से हुआ था। पीड़ित का आरोप है कि शादी के बाद से ही पत्नी का स्वभाव विपरित था। इसी कारण से अधिकांश समय पत्नी ने अलग बिताया। दो जून की रात वह गुरुग्राम से मेरठ जा रहा था। इस बीच एक बाइक पर सवार दो युवक उसका पीछा कर रहे थे। मुरादनगर नहर से मोदीनगर के बीच पहुंचने पर अचानक उन्होंने बाइक में लात मार दी, जिससे पीड़ित सड़क पर गिर गया। इस दौरान बाइक का नंबर नोट कर लिया गया था। नंबर के आधार पर जांच की गई तो पता चला कि वह बाइक सवार दोनों युवक उसकी पत्नी के प्रेमी थे। इस बात को लेकर ससुराल पक्ष के लोगों को बताया कि तो गढ़ एवं स्याना क्षेत्र के कुछ रिश्तेदारों को लेकर बहादुरगढ़ के डेहराकुटी स्थित एक स्कूल में पंचायत की गई। पंचायत में कोई सार्थक परिणम नहीं निकला।

विजय मत एंकर | राजा हत्याकांड, मुस्कान कांड और अन्य मामलों के बाद बदला विवाह का नजरिया

खौफ ने बदली सोच : कुंडली में '25 से 36' गुण मिल रहे तभी बन रहे रिश्ते

मेरठ, एजेंसी

मेरठ में हुए चर्चित 'मुस्कान कांड' और इंदौर के राजा रघुवंशी-सोनम प्रकरण के बाद युवाओं और उनके परिजनों की विवाह को लेकर सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब शादी सिर्फ भावनाओं या आपसी पसंद पर नहीं, बल्कि कुंडली में 'गुण मिलान' के आधार पर तय हो रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल साइंस के सचिव आचार्य कौशल वत्स के अनुसार, अब प्रतिदिन पाँच से सात कुंडली मिलान के लिए आ रही हैं। लोग यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि विवाह से पहले दोनों पक्षों की कुंडलियों में कम से कम 25 से 36 तक गुण अवश्य मिलें। इससे कम मिलने पर रिश्ते को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा।

सप्तम भाव में क्रूर ग्रह नहीं होना चाहिए

ज्योतिषाचार्य मनीष स्वामी का कहना है कि विवाह में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सप्तम भाव निभाता है। अगर इस भाव में राहु, केतु, शनि जैसे क्रूर ग्रह हों या उनकी दृष्टि हो, तो वैवाहिक जीवन में संकट आ सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सप्तम भाव में या तो कोई शुभ ग्रह होना चाहिए या उसकी शुभ दृष्टि होनी चाहिए। राहु यदि अशुभ स्थिति में हो, तो व्यक्ति शराब की लत में पड़ सकता है और धन का अपव्यय करता है। इसीलिए सप्तम भाव की स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

कुंडली में दोष तो नहीं हो रहा विवाह

कई मामलों में कुंडली न मिलने की वजह से रिश्ते टूट रहे हैं। मेरठ और आस-पास के क्षेत्रों में हाल ही में ऐसे 18 मामले सामने आए हैं, जिनमें केवल ग्रह दोष या गुण न मिलने के कारण विवाह की बातचीत रुक गई।

फिर लौट रही प्राचीन परंपराएं और संस्कार

समाज अब फिर से गौरी पूजा, सोलह सोमवार व्रत जैसे परंपरागत धार्मिक कर्मकांडों को स्वीकार कर रहा है। ज्योतिषाचार्य प्रवीण के अनुसार, "चातुर्मास के दौरान विवाह नहीं होते, लेकिन लोग पहले से विवाह की तैयारी करने लगे हैं। रात्रि फेरों की जगह अब दिन में फेरे लिए जा रहे हैं, जिसे सनडाउन वेडिंग कहा जा रहा है। साथ ही चाक पूजन जैसी परंपराएं भी दोबारा विवाह संस्कारों का हिस्सा बनती जा रही हैं। इससे यह स्पष्ट है कि आधुनिकता के साथ-साथ भारतीय समाज फिर से संस्कारों और ज्योतिषीय परंपराओं की ओर लौट रहा है।

चार माह बाद शुरू होंगे विवाह मुहूर्त, तैयारियां अभी से शुरू...

देवोत्थान एकादशी के बाद नवंबर से एक बार फिर वैवाहिक आयोजनों का शुभ मुहूर्त प्रारंभ होगा, लेकिन परिजनों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंडप बुकिंग जून की शुरुआत से ही शुरू हो गई है। वहीं, कुंडली मिलान के लिए लगातार ज्योतिषाचार्यों से संपर्क किया जा रहा है। कई जोड़े जो एक ही कार्यालय में कार्यरत हैं, खासकर आईटी सेक्टर में, वे भी अब इस प्रक्रिया को गंभीरता से लेने लगे हैं। रिश्तों के भविष्य को लेकर परिवार वाले कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।

कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

20 जून को एक साथ एक समय पर बनाए जाएंगे सभी घरों में सोख पिट

जिले में कम होते भू-जल स्तर को पूनर्भरण करने हो रही अभिनव पहल

विजय मत, कवर्धा

मोर गांव मोर पानी महा अभियान अंतर्गत घर का पानी घर में गांव का पानी गांव में का संकल्प लिए कबीरधाम जिले में इस बरसात भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर जिला प्रशासन द्वारा कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में आगामी 20 जून को प्रातः 6 बजे से जिले के सभी घरों में एक समय पर एक साथ बड़ी मात्रा में जन सहयोग एवं श्रमदान से सोख पिट का निर्माण किया जाएगा। इस अभियान में जिले के सभी ग्रामीण सभी

स्थानीय जनप्रतिनिधि ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत अधिकारी, कर्मचारी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना की दिदीयो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत पंजीकृत परिवारो एवं मेट तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभान्वित परिवारों द्वारा अपने आंगन,बाड़ी घर के समीप खाली स्थानो में 3 इनटू 3 आकार का सोखता गद्दा (रिचार्ज पिट) का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही जिले के सभी नागरिक जल संरक्षण हेतु एक साथ एक समय पर शपथ भी लेंगे।

जल है तो कल है यह सिर्फ एक कहावत नहीं अपितु यथार्थ सत्य है। कबीरधाम जिले में लगातार कम होता भ-जल स्तर सभी के लिए चिंता का विषय है और भू-जल स्तर में वृद्धि सामूहिक प्रयास से ही संभव है। राज्य शासन द्वारा 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस के अवसर पर मोर गांव मोर पानी महा अभियान की शुरूआत की गई जिसका उद्देश्य घर का पानी घर में और गांव का पानी गांव में है।इसी क्रम में जिले के सभी घरों में सोख पीट के द्वारा जल संरक्षण करते हुए भू-जल स्तर में वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जल संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ का होगा आयोजन 20 अप्रैल को सोख पिट निर्माण के दौरान जिले के सभी क्षेत्रों में जल संरक्षण कर भू-जल स्तर में वृद्धि करने में योगदान देने के लिए सभी नागरिक एक साथ अपने क्षेत्र में सामूहिक शपथ लेंगे। सोख पिट बनाना बहुत ही आसान है।

सांसद महेश कश्यप ने स्वर्ण पदक विजेता आरवी अवस्थी को किया सम्मानित

विजय मत, बस्तर

होनहार बेटी आरवी अवस्थी, जिनकी उम्र मात्र 10 वर्ष है, ने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर बस्तर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बस्तर सांसद माननीय महेश कश्यप जी ने आरवी अवस्थी को पुष्पगुच्छ एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सांसद महोदय ने कहा कि बस्तर की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आरवी जैसी प्रतिभाएं बस्तर के भविष्य की नई दिशा तय कर रही हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। सांसद कश्यप ने आरवी अवस्थी के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके कोच, अभिभावकों एवं समस्त खेल समुदाय को भी इस सफलता के लिए

बधाई दी। यह सम्मान न केवल आरवी अवस्थी के अथक परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह बस्तर अंचल की प्रतिभा और क्षमता का भी प्रमाण है।

सार समाचार

ढाई दर्जन बदमाशों को पुलिस ने किया तलब

राजनांदगांव। गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश और संदेहियों पर पुलिस ने विशेष अभियान शुरू कर दिया। वहीं बदमाशों के दैनिक गतिविधि की जानकारी ली गई। साथ ही गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश और संदेहियों को थाना हाजिर कर अपराध से दूर रहने की नसीहत दी गई। पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में निवासरत 30 से अधिक गुंडा बदमाशों को थाना हाजिर व तलब कर समझाईश दी गई। मिली जानकारी के अनुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने व सुरक्षा/शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसपी मोहित गर्ग के निर्देशन पर एएसपी राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों को गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश एवं संदेही पर विशेष अभियान चलाकर चेक कर उनकी दैनिक गतिविधि की जानकारी लेकर उनको समझाईस देने कहा गया था, जिस पर 16 जून को थना बसंतपुर, लालबाग, छुरिया, चिखली, तुमड़ीबोड पुलिस द्वारा कुल 30 से अधिक आपराधिक तत्वों को थाना हाजिर व तलब कर उनको समझाईश दी गई। साथ ही वे अपराधों से दूर रहकर शांतिपूर्वक अपने परिवार के साथ जीवनयापन करें, नहीं तो पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा जब भी उन्हें उपस्थित होने कहा जाता है, तो वे तत्काल उपस्थित हो तथा क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने समझाईश दी गई।

मां कर्मा महोत्सव एवं आदर्श विवाह की समीक्षा बैठक

बालोद। तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा की बैठक तहसील साहू संघ अध्यक्ष युवराज साहू की अध्यक्षता में स्थानीय साहू सदन में रखी गयी। बैठक का विषय 26 मार्च 2025 को संपन्न हुई। माँ कर्मा महोत्सव एवं आदर्श विवाह की समीक्षा, आय-व्यय की जानकारी के संबंध में थी साथ ही समाज के मध्य अन्तरजाति विवाह , सामाजिक संगठन को सशक्त बनाने ये संबंध में अध्यक्ष युवराज साहू ने उपरोक्त विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा में 15 परिक्षेत्र है। सभी परिक्षेत्र के सदस्यओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग राशि दिया था। इसके लिए मैं सभी समाज के लोगों का धन्यवाद करता हूं। साहू समाज के द्वारा हर वर्ष आदर्श विवाह में सर्व समाज के स्वजातीय वर-वधू का सामाजिक रीति रिवाज से विवाह करवाया जाता है। हमारा समाज अंतरजातीय विवाह का समर्थन नहीं करता है। अगर कोई सामाजिक व्यक्ति अन्तरजाति विवाह करता है, तो उनके विवाह में समाज की किसी भी व्यक्ति को नहीं जाना है। हम सभी को सामाजिक संविधान के नियमों का पालन करना है।

मोबाइल टॉवर, होर्डिंग्स व नए निर्माण से वसूले संपत्तिकर : मधूसूदन यादव

विजय मत, राजनांदगांव

इस वित्तीय वर्ष में शत-प्रतिशत राजस्व वसूली के लिए सुनियोजित अभियान चलाकर राजस्व वसूली करना है। वसूली के लिए सर्वप्रथम करदाताओं द्वारा जो विवरणी भरा गया है, उसकी जांच करें और उसके आधार पर संपतिकर वसूली करें। मंगलवार को नगर निगम सभागृह में आयोजित राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में महापौर मधूसूदन यादव ने वार्ड मोहर्रिरों से कहा। उन्होंने कहा कि शहर में कई नए मकान, दुकान, भवन आदि का निर्माण हो रहा है। जिसकी संबंधित वार्ड प्रभारी जांच करें और संबंधित से विवरणी भरा वसूली करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि शहर में कई मोबाईल टॉवर स्थापित है, इसी प्रकार होर्डिंग्स भी लगे हुए हैं उन्हें भी नोटिस जारी कर उनसे सम्पत्तिकर वसूलना सुनिश्चित करें। सभी सहायक राजस्व निरीक्षक अपने-अपने प्रभारित वार्ड के सभी मकान, भवन तथा रिक्त भूमि का

सर्वे कर उसकी नंबरिंग कर सूची तैयार करें। जिससे सही कर की वसूली होगी। हमारा सम्पत्तिकर शहर में निर्माण के हिसाब से कम है, जिसे आप सबको दुरूस्त कर उसके अनुसार वसूली करना है, तभी हम शासन लक्ष्य के अनुरूप वसूली कर सकते है।

महापौर श्री यादव ने कहा कि भवन नजूल शाखा से भवन अनुज्ञा के लिए आए प्रकरणों की जानकारी लें, इससे नए मकान व भवन की जानकारी मिल जाएगी। इसी प्रकार नल कनेक्शन लेने आए आवेदन जल विभाग से लेकर उसके अनुसार जलकर वसूली करें। उन्होंने कहा कि शहर के सभी कालोनियों में जाकर डिमांड दुरूस्त करें, रिक्त भूमि की जॉच कर जानकारी लेकर डिमांड में जोडे, इसके अलावा शासकीय आवासों व भवनों आदि से भी समेकितकर व जलकर वसूली करें। प्रतिदिन घर-घर जाकर वसूली करें तथा कार्यालयीन अवधि में दोपहर में राजस्व कार्यालय में बैठे। जिससे आपके वार्ड का करदाता कार्यालय में आकर अपने करों का भुगतान कर सके।

नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने वार्डवार वसूली की जानकारी लेकर कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष की बकाया राशि के अलावा नए वित्तीय वर्ष में नए निर्धारण के हिसाब से कर वसूली करना है। जिन करदाताओं द्वारा स्व विवरणी भरा गया है, उसे डिमांड से मिलाकर अंतर को डिमांड में इंद्राज करें और उसके अनुसार वसूली करें।

उन्होंने कहा कि अब तक 20 से 25 प्रतिशत की वसूली होनी चाहिए, तभी हम वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक लक्ष्य के अनुरूप वसूली कर सकते हैं।

राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य राजा माखीजा ने कहा कि सभी वसूलीकर्ता वसूली बढ़ावे, क्योंकि आप सब नगर निगम की रीड की हड्डी है। आपके वसूली से ही निगम में वेतन के अलावा अन्य भुगतान किया जाता है। बैठक में टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, मोबिन अली सहित राजस्व निरीक्षक हितेश ठाकुर, सभी राजस्व उप निरीक्षक एवं सहायक राजस्व निरीक्षक उपस्थित थे।

लगातार बारिश के बाद भी लोगों ने पूरे उत्साह से किया योगाभ्यास

विजय मत, जशपुर

योग को जीवन में ढालकर स्वस्थ जीवन द्वारा स्वस्थ तन एवं मन और स्वस्थ जीवन का संदेश लोगों को देने के लिए पूरे जिले में महाकुंभ योग सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से लोगों को योग के लाभों से अवगत कराकर उन्हें योगाभ्यास को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिसके तहत योग सप्ताह के चौथे दिन 19 ग्रामों में विभिन्न स्थानों पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे जिले में हो रही लगातार वर्षा के उपरांत भी लोगों पूरे उत्साह से योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां योग आयोग के प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराते हुए योग के लाभ के संबंध में लोगों को जानकारी दी। इस महाकुंभ योग सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को जशपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आयुष क्लिनिक दरबारीटोली एवं आईटीआई आरा, जनपद पंचायत मनोरा के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला डुमरटोली एवं शासकीय प्राथमिक शाला बेलडीह, जनपद पंचायत बगीचा के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल रनपुर, शासकीय प्राथमिक शाला ढोढरअम्बा, शासकीय प्राथमिक शाला भड़िया, शासकीय प्राथमिक शाला डोभ, जनपद पंचायत कांसाबेल के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोंगरो एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी, जनपद पंचायत कुनकुरी के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला डुगडुगिया एवं शासकीय प्राथमिक शाला बासनताला, शासकीय हाई स्कूल मैदान पतराटोली में योगाभ्यास किया गया।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सिन्हा ने डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष का किया वर्चुअली शुभारंभ

डिजिटाइजेशन को बताया वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता

विजय मत, बालोद

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश चन्द्र सिन्हा ने आज जिला न्यायालय भवन परिसर बालोद में डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष का वर्चुअली शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के डिजिटाइजेशन कमेटी के चेयरमेन जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास भी डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश सिन्हा ने जिला एवं सत्र न्यायालय बालोद सहित न्यायिक जिला राजनांदगांव, कबीरधाम एवं मुंगेली के जिला एवं सत्र न्यायालयों में स्थापित डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष का एक साथ वर्चुअली शुभारंभ किया। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रमेश चन्द्र सिन्हा ने डिजिटाइजेशन को वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता बताते हुए आज प्रदेश के चारों न्यायिक जिला बालोद, राजनांदगांव, कबीरधाम एवं मुंगेली में डिजिटाइजेशन एवं

स्कैनिंग कक्ष का शुभारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके लिए जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने वर्तमान समय में डिजिटाइजेशन के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में भी जानकारी दी। जिला न्यायालय भवन परिसर बालोद में आयोजित डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष के शुभारंभ समारोह के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्याम लाल नवरत्न, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, परिवार न्यायालय के न्यायाधीश योगेश पारीक, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफटीएससी पॉक्सो कृष्ण कुमार सूर्यवंशी, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफटीसी ताजुद्दीन आसिफ, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजय कुमार सोनी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्याम लाल नवरत्न ने फीता काटकर डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कक्ष का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्याम लाल नवरत्न ने कहा कि आज जब हम 21वीं सदी में प्रवेश किए हैं। ऐसे अत्याधुनिक समय में डिजिटाइजेशन सबसे बड़ी मांग एवं प्रमुख आवश्यकता है।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान

अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सशक्तिकरण का सार्थक प्रयास

विजय मत, बेमेतरा

बेमेतरा जिले में 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी जागरूकता सह लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं की पूर्ण संतृप्ति एवं जन जागरूकता के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है, कि अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासन की सभी व्यक्तिगत हकों का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचाया जा सके।

बेमेतरा जिले में चार प्रमुख आदिवासी बहुल गांव-ग्राम झालम (जनपद बेमेतरा), बुड़ेरा और कोरवाय (जनपद साजा) तथा बोईकछार (जनपद नवागढ़) को इस अभियान के तहत चिन्हित किया गया है। यहां पर ग्राम पंचायत या शासकीय भवनों में दो दिवसीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम झालम में 16 एवं 17 जून को शिविर संपन्न

हुआ, जिसमें जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत समग्र जनहित सेवाएं एक ही स्थान पर मुहैया कराई गईं। शिविर में 27 आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए जिससे ग्रामीणों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का मार्ग प्रशस्त हुआ। साथ ही, 65 आधार कार्ड (नवीन व अद्यतन) तैयार किए गए। इसके अलावा 12 राशन कार्ड आवेदन, 18 श्रम कार्ड आवेदन, 5 जाति प्रमाण पत्र, तथा 6 निवास प्रमाण पत्र के लिए भी आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अभिषेक जायसवाल की निगरानी में विभागीय अधिकारियों ने स्थल पर दस्तावेज सत्यापन कर त्वरित सेवाएं दीं। आगामी शिविर ग्राम बुड़ेरा (19-20 जून), बोईकछार (23-24 जून), एवं कोरवाय (26-27 जून) में आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में लाभार्थियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल स्क्रीनिंग, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना, पेंशन योजनाएं, महिला बाल विकास की योजनाएं, जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, बाड़ी विकास, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, व्यक्तिगत शौचालय, विद्युत कनेक्शन, कौशल विकास और मुद्रा लोन जैसी बहुआयामी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

अटल आवास, घुघरी रोड में कबीरधाम पुलिस की सघन कार्यवाही

गुंडा, बदमाशों पर शिकंजा, किरायेदारों के दस्तावेज के सत्यापन की चेकिंग

विजय मत, कवर्धा

जिले में कानून व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा आम नागरिकों में सुरक्षा का वातावरण बनाए रखने हेतु पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अभिषेक शांडिल्य (भा पु से) के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री लक्ष्य शर्मा के नेतृत्व में आज दिनांक 18 जून को विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं पंकज पटेल तथा एसडीओपी कृष्णा चंद्राकर के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।

प्रातःकाल कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित अटल आवास, घुघरी रोड में पुलिस, नगर पालिका और डीआरजी की संयुक्त टीम ने सुनियोजित तरीके से दबिश देकर

क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों व संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध सघन कार्यवाही की। अभियान का नेतृत्व कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने किया। इस दौरान नगरपालिका कवर्धा की टीम भी उपस्थित रही। इस विशेष कार्यवाही के दौरान पुलिस टीमों ने गुंडा बदमाशों, निगरानीशुदा बदमाशों, स्थायी वारंटियों एवं आदतन अपराधियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की। क्षेत्र की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए चार अलग-अलग टीमों का गठन कर समस्त अटल आवास परिसर में सर्चिंग व सत्यापन कार्यवाही की गई। मौके पर उपस्थित नगर पालिका की टीम ने सभी मकान मालिकों एवं किरायेदारों से दस्तावेज प्रस्तुत कराकर उनका सत्यापन किया। अनाधिकृत रूप से निवास कर रहे व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

उल्लेखनीय है कि विगत कुछ सप्ताहों से अटल आवास क्षेत्र में विवाद, झगड़े व असामाजिक गतिविधियों की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। जनहित में ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह ठोस और व्यापक कार्यवाही की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को सुरक्षित बनाना, शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा आम नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास को प्रबल करना रहा। इस दौरान कई संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई एवं कुछ को हिरासत में भी लिया गया है।कार्यवाही के दौरान पुलिस की तत्परता एवं अनुशासित उपस्थिति को देखकर स्थानीय नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया तथा पुलिस के प्रयास की सराहना की। नागरिकों ने विश्वास जताया कि इस प्रकार की नियमित कार्यवाहियों से क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का प्रभाव कम होगा और सामुदायिक जीवन सुरक्षित बनेगा। कबीरधाम पुलिस आमजन से अपील करती है कि यदि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, असामाजिक गतिविधि या आपराधिक घटना की जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल 112 पर सूचित करें। आपकी पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। जिले में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कबीरधाम पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है एवं इस प्रकार की कार्यवाहियां भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से 15 हजार किसान हुए लाभान्वित

विजय मत, सारंगढ़

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के निदेशानुसार ₹विकसित कृषि संकल्प अभियान₹ के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 29 मई से 12 जून 2025 तक व्यापक स्तर पर कृषि जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य खरीफ 2025 की तैयारी में कृषकों को उन्नत तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी देना रहा।

जिले के सभी विकासखंडों में कुल 81 शिविरों का आयोजन कर 15,878 कृषकों को लाभ पहुंचाया गया, जिनमें 3,396 महिलाएं और 12,482 पुरुष कृषक शामिल रहे। शिविरों में उन्नत बीज किस्मों, प्राकृतिक खेती, जैव कीटनाशक, फसल विविधीकरण और ड्रोन तकनीक से छिड़काव जैसी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। पीएम किसान सम्मान निधि, डिजिटल एग्रीकल्चर, किसान क्रेडिट कार्ड और मृदा हेल्थ कार्ड वितरण जैसी योजनाओं से भी कृषकों को जोड़ा गया। डॉ खूबचंद बघेल कृषक रत्न से सम्मानित एवं प्रगतिशील कृषकों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य किसान प्रेरित हुए। चलित पशु चिकित्सालय एवं दीदियों द्वारा तरल उर्वरकों का प्रदर्शन भी शिविरों का विशेष आकर्षण रहे।

टीम ने आरंग ब्लॉक के उप तहसील समोदा से 600 घन मीटर तथा ग्राम कुटेला से 3900 घन मीटर रेत जब्त की

अवैध रेत भंडारण पर राजस्व और माइनिंग टीम ने की कार्रवाई

विजय मत, रायपुर

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निदेर्शानुसार अवैध रेत भंडारण पर राजस्व और माइनिंग टीम की संयुक्त कार्रवाई। टीम ने आरंग ब्लॉक के उप तहसील समोदा से 600 घन मीटर तथा ग्राम कुटेला से 3900 घन मीटर रेत जब्त की। इस दौरान आरंग तहसीलदार श्रीमती सीता शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई: अवैध रेत-गिट्टी परिवहन करते 5 वाहन जप्त

विजय मत, अंबिकापुर

जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कलेक्टर विलास भोसकर सोलंके के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को खनिज विभाग की टीम ने बतौली क्षेत्र में जांच अभियान चलाकर दो हाईवा गिट्टी और तीन ट्रैक्टर रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा। इस कार्रवाई में खनिज विभाग ने अवैध खनिज परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को मौके पर ही जप्त कर लिया और संबंधित नियमों के अंतर्गत आगे की कार्रवाई शुरू की।

खनिज अधिकारी त्रिवेणी देवांगन ने बताया कि इन सभी मामलों में 'खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957' की धारा 21(4), 21(5) एवं 23 के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए कुल 1,22,336 रुपए का अर्थदंड वसूल किया गया है। कड़ी निगरानी में खनिज क्षेत्र बतौली क्षेत्र खनिज संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध है, लेकिन कुछ लोग इसके दुरुपयोग में संलग्न होकर सरकारी राजस्व को क्षति पहुँचा रहे हैं। ऐसे तत्वों के खिलाफ अब प्रशासन पूरी तरह से सख्त रुख अपनाए हुए है। जिला प्रशासन और खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा लगातार निरीक्षण, निगरानी और कार्रवाई की जा रही है, ताकि अवैध गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। विधिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई खनिज अधिकारी ने बताया कि जिन वाहनों को जप्त किया गया है, वे बिना वैध रॉयल्टी पर्ची और खनिज परिवहन की अनुमति के गिट्टी और रेत का परिवहन कर रहे थे। इन वाहनों से संबंधित चालकों और मालिकों पर एमएमडीआर एक्ट के तहत जुमार्ना लगाते हुए तत्काल जुमार्ना वसूल किया गया, जिससे शासन को राजस्व की प्राप्ति हुई है। भविष्य में भी जारी रहेगी कार्रवाई अधिकारी त्रिवेणी देवांगन ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल एक शुरूआत है। खनिज विभाग की टीम आगे भी जिले के सभी संवेदनशील और खनन प्रभावित क्षेत्रों में इस प्रकार की कार्रवाई करती रहेगी। उन्होंने सभी खननकताओं और परिवहनकताओं से अपील की कि वे केवल वैध अनुमति एवं नियमों के तहत ही खनिजों का उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत परिवहन एवं उत्खनन पर की जा रही लगातार कार्रवाई

आकस्मिक निरीक्षण कर रेत और मुरूम से भरे 5 वाहन पर जप्ती की कार्रवाई की गई

विजय मत, राजनांदगांव

राजनांदगांव कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निदेर्शानुसार जिले में अवैध रेत परिवहन एवं उत्खनन पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई लगातार की जा रही है। राजस्व टीम द्वारा आकस्मिक निरीक्षण कर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुरगी और धीरी तथा डोंगरगांव विकासखंड के बरगांव नदी घाट में अवैध रेत एवं मुरूम परिवहन पर 5 वाहनों पर जप्ती की कार्रवाई की गई। एसडीएम राजनांदगांव श्री खेमलाल वर्मा ने ग्राम सुरगी में रेत और मुरूम के अवैध परिवहन

करने पर जप्ती की कार्रवाई की। ग्राम सुरगी में रेत से भरी हाईवा सीजी 08 बीसी 7415 तथा मुरूम से भरी हाईवा सीजी 04 एचएम 8461 की जप्ती की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही जेसीबी सीजी 08 पी 5746 डी तथा ट्रेक्टर सीजी 08 एआर 7810 को जप्त कर कार्रवाई की गई। इसी तरह एसडीएम डोंगरगांव श्री श्रीकांत कोर्राम द्वारा डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम बरगांव नदी घाट से अवैध रूप से रेत भरा हुआ ट्रेक्टर जप्त किया गया।

रायपुर में कोयला एवं राखड़ परिवहन करने वाले 76 वाहनों पर बड़ी कार्रवाई

विजय मत, राजनांदगांव

रायपुर परिवहन विभाग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा और जनहित को लेकर विभाग किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी उद्देश्य को लेकर रायपुर में कोयला एवं राखड़ का खुले रूप में परिवहन कर रहे वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 76 वाहनों पर ?73,600 की चालानी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई रायपुर उड़नदस्ता टीम द्वारा परिवहन सचिव एवं आयुक्त

एस. प्रकाश के निर्देश तथा अपर परिवहन आयुक्त डॉ. रविशंकर के मार्गदर्शन में की गई। खुले मालवाहक वाहन बने थे पर्यावरणीय खतरा रायपुर उड़नदस्ता टीम के प्रभारी सी.के. साहू ने बताया कि राजधानी के प्रमुख मार्गों पर कोयला एवं राखड़ ले जा रहे भारी वाहनों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान पाया गया कि बड़ी संख्या में वाहन बिना तिरपाल (कवर) के सड़कों पर दौड़ रहे थे, जिससे राख व कोयले की धूल उड़कर आमजन को असुविधा हो रही थी और वातावरण भी प्रदूषित हो रहा था। इस तरह की लापरवाही से न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, जैसे कि सांस की बीमारियां, आंखो में जलन और स्किन एलर्जी जैसी शिकायतें भी बढ़ सकती हैं।

जिले के दो एकल शिक्षक वाले मिडिल स्कूलों में हुई शिक्षको की नई पदस्थापना

लखना एवं नकटी कुम्हारीटैंक स्कूलों में विद्यार्थियों को अब पढ़ाई मे होगी सुविधा

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया है। जिससे रायपुर जिले में शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में नए शिक्षकों की पदस्थापना हुई है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है। जिले के जिन स्कूलों में एकल शिक्षक के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था, वहां अब नए शिक्षकों की पदस्थापना की गई है । शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले के 2 मिडिल स्कूलों में एकल शिक्षक होने से वहां के बच्चे शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। साथ ही उनके पालक अपने बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए चिंतित थे। लेकिन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया लाई गई। इसके तहत जिले के अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग के माध्यम से एकल शिक्षकीय स्कूलों में पदस्थापना की गई।

जिले में सफलतापूर्वक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूर्ण होने से जिले के तिल्दा ब्लॉक के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लखना और नकटी कुम्हारीटैंक में एकल शिक्षक स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति हो गई है। इन स्कूलों में नए विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। वर्षों पुरानी शिक्षकों की कमी की समस्या से निजात मिलने से ग्रामीणों ने भी खुशी जताते हुए सरकार के युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पर संतुष्टि जताई है।

नए शिक्षकों की पदस्थापना से न केवल स्कूल में पढ़ाई के स्तर में सुधार होगा, बल्कि इससे स्कूली विद्यार्थियों, पालकों, ग्रामीणों और स्कूल समिति के सदस्यों में भी खुशी व्याप्त हो गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में घटिया सामान सप्लाई घोटाले के दोषियों पर कार्यवाही क्यों नहीं - कांग्रेस

विजय मत, रायपुर

आंगनबाड़ी केंद्रों में 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान सप्लाई मामले में कार्यवाही नहीं होने पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों में 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान सप्लाई मामले के लिए जांच कमेटी बनाकर 15 दिन में रिपोर्ट मांगी थी और आज 28 दिन बाद भी घटिया सामान सप्लाई करने वाले सप्लायरों और घटिया सामान की खरीदी करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई? क्या जांच दल घटिया सामान खरीदी और सप्लाई करने वालों को बचाने के लिए बनाया गया था? आंगनबाड़ी केंद्रो में जिस प्रकार

से निम्न स्तर की आवश्यक सामग्री सप्लाई की गई है, यह मंत्री के संरक्षण के बिना संभव नहीं है और मंत्री पद पर लक्ष्मी राजवाड़े के रहते इसकी निष्पक्ष जांच मुश्किल है। 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान सप्लाई की जांच किसी अन्य जांच एजेंसी से कराया जाए।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में घटिया सामान सप्लाई मामले की जांच कमेटी बनाई गई थी, इस पर सवाल उठा था कि जो अधिकारी सामानों के खरीदी के लिए जिम्मेदार हैं, वे खुद ही अपने ही खिलाफ कैसे जांच करेंगे? और जब भ्रष्टाचार में मंत्री से लेकर विभाग के बड़े अधिकारी शामिल है तब इसकी जांच कैसे हो पाएगी? कांग्रेस पार्टी मांग करती है 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान खरीदी की जांच अन्य जांच एजेंसी से कराया जाए। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से इस्तीफा लिया जाये, सामग्री सप्लाई करने वालो को ब्लैक लिस्टेड किया जाये और सामान खरीदी करने वाले अधिकारियों के ऊपर भी कड़ी कार्यवाही की जाये।

छत्तीसगढ़ में 1 जुलाई से बढ़ सकती है जमीन की कीमत

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में जमीन की कीमत जल्द ही बढ़ने वाली है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 1 जुलाई से जमीन गाइड लाइन की नई दर लागू होने वाली है। इससे पहले पंजीयन विभाग ने प्रदेश के 33 जिलों में जमीन की प्रचलित दर का सर्वे पूरा कर लिया है। फिलहाल मूल्य का विश्लेषण जिलेवार और क्षेत्रवार किया जा रहा है। इस काम में पिछले कुछ महीनों में हुई देर की वजह से नई गाइड लाइन जारी करने में विलंब हुआ है। खास बात ये है कि राज्य में आठ साल बाद नई दरें लागू होने जा रहीं हैं।

किसानों को होगा सबसे अधिक फायदा नई दरें आने से किसानों को सबसे अधिक फायदा होगा। दरअसल राज्य में सबसे अधिक जमीनें किसानों के पास ही है। किसी भी उपयोग के लिए सरकार द्वारा जो अभी जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है उसका मुआवजा मौजूदा गाइडलाइन दर पर होता है। जबकि किसानों की रोड से लगी जमीनों की असली कीमत गाइड लाइन से 10-10 गुना तक अधिक है। अब सरकार किसान की जमीन लेगी तो उसे भी नई दरों के हिसाब से मुआवजा देना होगा।

कच्चे का काम होगा बंद: जमीनों के सौदे के मामले में माना जाता है कि अधिकांश बड़ी टाउनशिप, कालोनियों के निर्माण के दौरान बिल्डर गाइडलाइन रेट के

बजाय अपने हिसाब से जमीन की कीमत ग्राहक से वसूलते हैं और अंतर की राशि कच्चे में ली जाती है। यानी कम कीमत की जमीन का मूल्य अत्याधिक बढ़ाकर बिल्डर पैसा वसूलते हैं। अब नई दरें आने से इस काम में कमी होगी

पंजीयन से मिले हैं 2900 करोड़ दूसरे राज्यों से बेहद कम: छत्तीसगढ़ को पंजीयन से पिछले वित्तीय वर्ष में 2900 करोड़ रुपए मिले हैं। लेकिन अगर महाराष्ट्र में देखा जाए तो वहां पंजीयन से सरकार को 40 हजार करोड़ रुपए मिलते हैं। कर्नाटक में 30 हजार करोड़ रुपए और पड़ोसी मप्र की बात करें तो अकेले इंदौर शहर से 3 हजार करोड़ रुपए मिलते हैं।

मिलेगा अधिक राजस्व: नई दरें लागू होने से सरकार को पंजीयन से मिलने वाले राजस्व में बढ़ोतरी होना तय है। अगर पूरे राज्य में औसत 20 प्रतिशत रेट बढ़ा तो सरकार के खजाने में जाहिर है अधिक राशि आएगी। क्योंकि तब रजिस्ट्री बढ़ी हुई दरों पर होगी। इसके साथ ही पंजीयन में काले धन की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

संभाग आयुक्त ने ली संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

पानी बचाने का करें जतन, पंचायतों से प्रस्ताव पारित कराने की करें पहल

विजय मत, दुर्ग

संभागआयुक्त एस.एन. राठौर ने आज संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय आधिकारियों की बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

श्री राठौर ने संभाग के जिलों में गिरते जल-स्तर पर चिंता जाहिर करते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों को पानी बचाने हेतु शासन की मंशा के अनुरूप ग्राम पंचायत वार आवश्यक पहल करने कहा। उन्होंने बताया कि संभाग के अंतर्गत बेमेतरा जिले में ग्राम पंचायत वार लोगों ने पानी बचाने के लिए एक मत होकर प्रस्ताव जिला प्रशासन को सौंपा है। उसी का अनुकरण करते हुए संभाग के अन्य जिलों में पीएचई विभाग के माध्यम से यह पहल की जाएं। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से समन्वय कर ग्राम पंचायतों में पानी बचाने हेतु ग्रामीणों से प्रस्ताव व पहल कराने निर्देशित

किया। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से जलाशयों में पानी की स्थिति और विभाग द्वारा बनाए गए स्टॉप डैम, एनीकट आदि की जानकारी ली। साथ ही नदी नालों एवं आस-पास के क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए समय पर पानी रोकने के प्रबंध सुनिश्चित करने निर्देशित किया ताकि भू-जल स्तर बना रहे। संभाग आयुक्त ने आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़कों के रखरखाव एवं मरम्मत पर विशेष ध्यान देने कहा है।

उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य पूर्णता की स्थिति में पंचायतों को शीघ्र हैण्ड-ओवर करने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त ने स्कूलों में शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण की प्रकिया में पारदर्शिता पर जोर देते हुए संभाग के स्कूलों में शिक्षकों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बैठक में अवगत कराया गया कि शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था की गई है।

संभाग के अंतर्गत अब एकल शिक्षकीय विद्यालय नहीं है। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने कहा कि संभाग अंतर्गत सभी जिलों के शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास मादक पदार्थों की बिक्री और लोगों में नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु उच्च शिक्षा विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्य योजना के अनुरूप एनसीसी, एनएसएस एवं स्काउट गाइड के विद्यार्थियों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाये जाए।

जिले में 19 जून को मनाया जाएगा विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस

रायपुर। जिले में 19 जून 2025 को समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सिकल सेल दिवस एवं योग जागरूकता दिवस का आयोजन कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी ने बताया कि यह आयोजन राज्य शासन के निदेर्शानुसार किया जा रहा हैं। यह आयोजन आरोग्य मेला के साथ थीम आधारित कार्यकम के रूप में किया जाएगा। कार्यकम का मुख्य उद्देश्य आमजनो को सिकल सेल एवं योग के लिए जागरूक करना और पीड़ितों को समूचित चिकित्सीय सहायता प्रदान करना है।

कलेक्टर बी.एस उइके ने निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में तेजी से करें पूर्ण: कलेक्टर

विजय मत, गरियाबंद

कलेक्टर बी.एस उइके ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के सभी निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे पूर्ण-अपूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें।

उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण कार्यों में कोई परेशानी आती है उसकी जानकारी साझा करें। कलेक्टर ने बैठक में पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन विभाग, आरईएस, पीएचई ईएंडएम, सेतु निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं पीएमजीएसवाय विभाग के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यो को पूर्ण करने के

लिए निर्देशित किया।

उन्होंने जिले के अस्पताल, स्कूल, हॉस्टल, कॉलेज, आश्रम - छात्रावासों, न्यायालय, तहसील, एसडीएम, अधिकारी-कर्मचारी आवास सहित अन्य शासकीय भवनों के स्वीकृत एवं निमार्णाधीन कार्यो की जानकारी लेकर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि ठेकेदारों से इन कार्यों को समय-सीमा के अंदर काम करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो ठेकेदार काम में बिना वजह देरी कर रहे हैं उनके विरुद्ध अनुबंध के अनुसार कार्यवाही करें। इसमें किसी प्रकार की कोताही न बरते। सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखे। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम, अपर कलेक्टर नवीन भगत, जिला शिक्षाअधिकारी एके सारस्वत पीएचई के कार्यपालन अभियंता विप्लव धृतलहरे सहित विभागों के जिला अधिकारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर उइके ने निर्माण विभागों की बैठक में निर्माण कार्यों के भू-अर्जन से जुड़े मामलों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कामों का समय-सीमा के भीतर पूरा होना जरूरी है, जिससे लोगों को इन निर्माण कार्यों का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले निर्माण कार्य पूरी गति से पूर्ण किए जाए। जिले में चल रहे सड़कों और भवनों के काम की विस्तार से समीक्षा की।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

धार्मिक यात्रा में बढ़ती हवाई दुर्घटनाएं

भारत धर्म और आस्था का देश है, लेकिन यहाँ धार्मिक यात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। जब चारधाम जैसी यात्रा भी सुरक्षित नहीं है तो दूसरे की बात छोड़िए। धार्मिक स्थलों पर आए दिन श्रद्धालुओं के मरने की घटनाएं होती रहती हैं। उत्तराखंड में आए दिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं सुर्खियों में हैं। मई और जून में अब तक पांच दुर्घटनाएं सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। हादसों में चालक दल के साथ 14 लोग मारे जा चुके हैं। पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है। रविवार 15 जून को गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित 7 लोग मारे गए। चार धामयात्रा प्रबंधन ने इसके पूर्व हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया। 17 मई को केदारनाथ में एम्स ऋषिकेश की एक हेली एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबित 12 वर्षों में केदारनाथ में कुल 14 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 33 लोगों की मौत हुई। धार्मिक यात्रा के दौरान बढ़ता जोखिम हमारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नागरिक और उड्डयन मंत्रालय को इस तरह के हादसों पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। निजी एविएशन कंपनियों पर नकेल कसने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हादसे हमारे विश्वास और आस्था पर चोट पहुँचाते हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का यह उचित फैसला। भारत सरकार के डीजीसीए ने अगले आदेश तक हेलीकॉप्टर की सभी उड़ानों पर रोक लगा दिया है। लेकिन सिर्फ रोक से काम नहीं चलेगा सम्बधित घटनाओं की जाँच होनी चाहिए। सवाल उठता है किस तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुन : गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांन्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टत- दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

> हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है।

बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समस्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है।

हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म-मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवत- वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1,000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं इथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर कम है। अतः भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

बेटियाँ आगे बढ़ रही, पर मंच अब भी खाली

सोनम लववंशी

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

> यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है।

पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिज़नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।

कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे, बल्कि उसके माध्यम से वास्तविक और प्रभावी नेतृत्व उभर कर सामने आए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन और एक सुरक्षित सार्वजनिक वातावरण प्रदान करना होगा। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का नेतृत्व महिलाओं के लिए नहीं, पूरे समाज के विकास के लिए जरूरी है। जिन क्षेत्रों में महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, वहाँ निर्णय प्रक्रिया अधिक समावेशी, दीर्घकालिक और मानवीय दृष्टिकोण वाली रही है।

महिलाओं की शिक्षा में हो रही प्रगति सराहनीय है, लेकिन यह तब तक अधूरी है जब तक वह नेतृत्व की ऊँचाइयों तक न पहुंचे। जब एक शिक्षित लड़की केवल एक नौकरी ही नहीं, बल्कि एक संस्था, एक आंदोलन, या एक नीति का नेतृत्व करती है, तभी हम कह सकते हैं कि शिक्षा ने अपना उद्देश्य पूरा किया है। समाज को यह स्वीकारना होगा कि नेतृत्व कोई जन्मगत विशेषाधिकार नहीं, अर्जित किया गया दायित्व है और जब तक महिलाओं को इस दायित्व को निभाने का पूरा अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हम एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र नहीं बन सकते। अतः यह समय केवल आंकड़ों की तालिका सजाने का नहीं, उन आंकड़ों को जीने और बदलने का है। यह समय है कि हम लड़कियों की शिक्षा से आगे बढ़कर उन्हें नेतृत्व के मंच तक पहुँचाएं। क्योंकि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

ललित गर्ग

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं। एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8402

■	1		2		■	3	■	■
■		■		■	4			5
6		7	■	8			■	
■	9		10		■	■	11	
12	■	13				14	■	
15		■		■	16		17	■
	■	18			■	19		
20				■	21	■		■
■	■		■	22				■

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. .....-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8401 का हल

र	म	णी	य	■	ब	र	स	■
वा	म	■	की	■	ह	■	म	त
य	■	अ	न	ब	न	■	■	म
त	म	स	■	री	■	स	र	स
■	■	बा	ज	■	पा	रो	■	■
स	ली	ब	■	मी	■	व	ज	ह
ली	■	■	म	न	ह	र	■	रा
का	म	■	न	■	र	■	श	र
■	द	म	न	■	म	हा	व	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

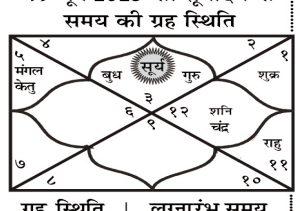

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	04.58 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.16 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.32 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.55 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.09 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.17 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	23.50 बजे से
		मेष	01.20 बजे से
		वृष	03.00 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 170 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 11.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 23.17 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 05.24 बजे तदनन्तर सौभाग्य 02.46 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 11.56 बजे तदनन्तर तैतिल 22.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872380 **जूलियन दिन** 2460845.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

सड़क हादसे में मृत प्रधान आरक्षक के परिजन को मिली 1 करोड़ की सहायता

मोहला। मोहला मानपुर के अंबागढ़ चौकी में तैनात प्रधान आरक्षक रमेश कुमार नेताम की 28 जनवरी 2025 को सड़क हादसे में मौत हो गई थी। नेताम का सैलरी अकाउंट भारतीय स्टेट बैंक में था और वे पुलिस सैलरी पैकेज से जुड़े थे। बैंक ने अनुबंध के तहत मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि दी है। एसपी कार्यालय मोहला के मीटिंग हॉल में आयोजित कार्यक्रम में रढ वाई पी सिंह और एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक रुपक कुमार मंडल ने यह चेक मृतक की पत्नी द्रोपती नेताम और पुत्री ओमेश्वरी नेताम को सौंपा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीताम्बर पटेल, रक्षित निरीक्षक भुनेश्वर कश्यप और मुख्य लिपिक प्रशांत राहुल मौजूद थे। बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक स्वप्निल देवांगन, शाखा प्रबंधक यतीन्द्र राव दामले और सहायक प्रबंधक साकेत कुमार झा भी उपस्थित रहे। रढ ऑफिस के अन्य कर्मचारी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया शुरू

रायपुर। बीएड डिग्री के चलते सीधी भर्ती से हटाए गए शिक्षकों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। छत्तीसगढ़ शासन ने इन शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब इन्हें प्रदेश के विभिन्न शासकीय स्कूलों में सहायक विज्ञान शिक्षक के पद पर नियुक्त किया जाएगा। इसके लिए रायपुर स्थित शंकरनगर डाइट स्कूल में काउंसिलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। काउंसिलिंग का पहला चरण 17 जून को आयोजित किया गया जिसमें महिला और दिव्यांग अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया था। इस दिन कुल 301 अभ्यर्थियों को बुलाया गया जिनमें से 297 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। काउंसिलिंग का माहौल व्यवस्थित और शांतिपूर्ण रहा और अधिकारियों ने पूरी पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया को अंजाम दिया। आज 18 जून को काउंसिलिंग के दूसरे दिन 300 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। शासन की योजना के अनुसार यह प्रक्रिया प्रतिदिन जारी रहेगी और 26 जून तक पूरी की जाएगी। प्रत्येक दिन अलग-अलग अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार बुलावा भेजा जा रहा है।

सब्सिडी देने की घोषणा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत, विष्णुदेव साय ने लिया बड़ा फैसला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां सिविल लाईन स्थित उनके निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए - 1 मंत्रिपरिषद ने

अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति सूची में तकनीकी कारणों से शामिल होने से वंचित जातियों को प्राप्त होने वाली कतिपय सुविधाएं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए डिहारी कोरवा, बघेल क्षत्री, संसारी उरांव तथा पबिया, पविया, पवीया समाज के विद्यार्थियों को अनुसूचित जनजाति के समतुल्य एवं डोमरा जाति के विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति के समतुल्य राज्य मद से मात्र राज्य छात्रवृत्ति तथा शिष्यवृत्ति प्रदान किये जाने एवं छात्रावास-आश्रमों में स्वीकृत सीट के अधीन प्रवेश दिए जाने की सुविधा प्रदान करने की सहमति दी है। 2 मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और बिजली उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घर की छतों में सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना में राज्य शासन द्वारा उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता दिए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने पर केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ-साथ राज्य की ओर से अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी, जो सोलर प्लांट की क्षमता के आधार पर अलग-अलग होगी।

जल स्रोत चिन्हांकन के लिए हाईड्रो फैक्ट्रिंग मशीन की व्यवस्था करें

हर- घर जल पहुंचाने के कार्य में तेजी लाकर समय पर पूरा कराएं : कलेक्टर

विजय मत, बलौदाबाजार

कलेक्टर दीपक सोनी ने बुधवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ, सब -इंजीनियर एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर जिले में जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने मिशन के तहत हर- घर नल से जल पहुंचाने के कार्य में तेजी लाकर समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने एसडीओ और सब इंजिनीयर को कार्य में प्रगति लाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए फिल्ड पर कड़ी निगरानी रखने के भी निर्देश दिये।

कलेक्टर सोनी ने कहा कि जिन गांवों में जल स्रोत नहीं मिल रहा है वहां जल स्रोत चिन्हांकन के लिए हाईड्रो फैक्ट्रिंग मशीन की व्यवस्था करें। विद्युत मीटर की समस्या निदान के लिए सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों से आवश्यक समन्वय करें। जिन गांव में नल जल को लेकर किसी प्रकार की विवाद हो तो सरपंच, जनपद सीईओ व एसडीएम के माध्यम से समाधान कराएं।इसके साथ ही एमआईएस पोर्टल में प्रविष्टि से सबंधित तकनीकी समस्या

के निराकरण हेतु राज्य कार्यलय से पत्राचार करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने धीमे प्रगति वाले सभी ठेकेदारों के कार्यो की विस्तृत समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिये कि काम में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के भुगतान रोकी जाएगी तथा जिन्होंने काम बंद कर रखा है उन्हें कार्य से पृथक किया जाएगा।उन्होंने अब तक अपूर्ण कार्यो को तय समय पर पूर्ण कराने के लिए समय- सीमा निर्धारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अगले 10 से 15 दिवस में हर -घर जल प्रमाणीकरण के कार्य को पूर्ण कराएं। जिन गांवों में वाटर टेस्टिंग का कार्य चल रहा है वहां के स्थानीय व्यक्ति को ही पंप संचालन का प्रशिक्षण दें ताकि बाद में वह बेहतर तरीके से कार्य सम्पादित कर सके। पाइप लाईन बिछाने में सडक खुदाई उपरांत सडक की मरम्मत कराएं। इसके साथ ही अन्य परिसंपत्ति की क्षति होने पर भी उसका उचित क्षतिपूर्ति करें। उन्होंने कहा कि सभी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य को समय पर कार्य पूरा कराएं। प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए तैयर है।

कामाख्या मंदिर में 22 से पांच दिवसीय अंबुवाची योग पूजा

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुवाहटी मां कामाख्या मंदिर के तर्ज पर हर साल 22 से 26 जून तक अंबुवाची योग पूजा की जाती है। यह मंदिर देवेंद्र नगर नारायणा अस्पताल रोड लगी फोकटपारा में स्थित है । जिसकी स्थापना आज से 58 साल पहले मां कामाख्या के उपासक आचार्य पं. हीरेंद्र विश्वकर्मा ने की । माता स्वयंभू प्राक्टय है। कोपटपारा स्थित कामाख्या मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी 22 जून से 26 जून तक पांच दिवसीय अंबुवाची पूजा होगी।

22 जून को विधि विधान से गणेश , कच्छप, गौरी गणेश कलश, नौ कलश चक्र, नवग्रह, चर्तुदिक शिवलिंग, चौसठ योगिनी, षोडशमातृका, सप्तघृत मातृका, क्षेत्रपाल चक्र, वास्तु चक्र, पंच लोकपाल, दस दिगपाल की गुवाहटी मंदिर की तरह पूजा होगी। 22 जून को मां कामाख्या की पूजा अर्चना का बाद तीन दिन के लिए पट बंद हो जाएगी। इस दरम्यान 22, 23 और 24 जून को जसगीत , दुर्गा सप्त सती पाठ, सुंदर कांड का पाठ होगा।

यश को मिलेगा छात्रावास में प्रवेश

कलेक्टर से मिलने के बाद पढ़ाई की चिंता हुई दूर

विजय मत, मुंगेली

कलेक्टर से मिलकर यश की आगे की पढ़ाई की चिंता अब दूर हो गई है। जिला कलेक्टोरेट परिसर मुंगेली में आज आयोजित जनदर्शन के दौरान एक ऐसा भावुक दृश्य देखने को मिला। लोरमी विकासखंड के ग्राम रजपालपुर निवासी सातवीं कक्षा के छात्र यश कुमार ने कलेक्टर कुन्दन कुमार के सामने पहुंचकर करुण स्वर में कहा ह्यसर, मेरे माता-पिता मुझे छोड़कर चले गए हैं, कृपया मेरी स्कूल फीस माफ कर दीजिए। छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत यश जब महज चार वर्ष का था, तब उसके माता-पिता ने उसे छोड़ दिया। तब से उसके चाचा उसकी देखभाल कर रहे हैं, किन्तु कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण यश की पढ़ाई में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने यश की पीड़ा को न केवल गहराई से महसूस किया, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यश को निकटवर्ती छात्रावास में प्रवेश दिलाकर उसकी पढ़ाई की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने भावनात्मक स्वर में कहा कि अबयह मेरा बच्चा है। इसकी शिक्षा में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि शासन की मानवीयता का जीवंत उदाहरण था।

मांगों को लेकर कर्मचारी संघ ने किया प्रदर्शन

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं छत्तीसगढ़ पेंशनर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आज सभी जिला मुख्यालय में भोजनावकाश में कर्मचारी पेंशनरों ने महंगाई भत्ता एवं महंगाई भत्ता एरियर्स भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। बस्तर बिलासपुर संभाग के जिला मुख्यालय में भारी संख्या में कर्मचारियों ने प्रदर्शन में भाग लिया। वहीं रायपुर कलेक्ट्रेट में कर्मचारियों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया। जिला प्रशासन के अधिकारी को मांग पत्र सोपा गया। पेंशनर संघ के संरक्षक विजय कुमार झा तृतीय वर्ग अध्यक्ष रामचंद्र टांडी एवं महामंत्री उमेश मुदलियार ने बताया है कि मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिला प्रशासन के अधिकारी को सौंपा गया। अ'२ङ्क फीं - जनजातीय समुदायों को योजनाओं का मिला लाभ इस प्रदर्शन में पीतांबर पटेल, संजय शर्मा, सीएल दुबे, नरेश वाढेंर, विमल चंद कुंडू, आलोक जादव, होरी लाल छेदैया, बी आर वर्मा, शेखर ठाकुर, नलिनी चंद्राकर, विजय डागा, विनोद सिंन्हा, पंकज नायक, राजेंद्र उमाठे, बीपी कुरील, खिलोमणी खागा, वंदना फोफसे, बसंती कुजूर से सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

महासमुंद जिले के निवासी शिविरों में उठा रहे सरकारी योजनाओं का लाभ

विजय मत, महासमुंद

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 17 जून को महासमुंद जिले के चयनित ग्रामों टेडिनारा, गोपालपुर, रुमकेल और डुडुमचुवा में पहले दिन 04 जनकल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 584 हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविरों के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेज एवं योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। जिसमें आधार कार्ड बनवाने अथवा संशोधन हेतु 123 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि सहज कार्ड के लिए 50 लाभार्थियों को जोड़ा गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत 20 लोगों को स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ा गया। इसके अतिरिक्त, 96 जाति प्रमाण पत्र और 98 निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड हेतु 6 किसानों के आवेदन स्वीकृत किए गए और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 3 किसानों का पंजीकरण किया गया। बैंक खाता खोलने हेतु 5 आवेदन प्राप्त हुए। वृद्धावस्था पेंशन के 4, विधवा पेंशन के 9, तथा दिव्यांग पेंशन के लिए कुछ आवेदन दर्ज हुए। इसके अलावा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 4, और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 6 हितग्राहियों ने भागीदारी की। वहीं मनरेगा योजना के अंतर्गत 5 व्यक्तियों को रोजगार से जोड़ा गया। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत 3 महिलाओं को लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत टीकाकरण, आईसीडीएस, और सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं काउंसलिंग के माध्यम से 158 हितग्राहियों को सेवाएं प्रदान की गईं। शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सहित स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, पटवारी, मनरेगा एवं कृषि विभाग के कर्मचारी, छात्रावास अधीक्षक, महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक, पेंशन विभाग प्रतिनिधि, ग्राम सचिव एवं आधार ऑपरेटर उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि यह शिविर 30 जून तक विभिन्न चयनित स्थलों में आयोजित होगा।

राज्यपाल रमेन डेका ने बीजापुर के सेन्ट्रल लाईब्रेरी का किया अवलोकन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने अपने बीजापुर प्रवास के दौरान वहां के सेन्ट्रल लाईब्रेरी का अवलोकन किया। उन्होंने सुदूर क्षेत्रों के कम्प्यूटर प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। प्रशिक्षार्थियों ने डेका से अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल डेका ने कहा कि आज के युग में कम्प्यूटर सभी क्षेत्रों के लिए आवश्यक है। नौकरी हो या स्वयं का व्यवसाय, कम्प्यूटर ट्रेनिंग के पश्चात छोटे-छोटे व्यवसाय से आय अर्जित करने एवं व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन कर आय अर्जित करने के लिए प्रशिक्षार्थियों को प्रेरित किया। राज्यपाल डेका ने लाइब्रेरी में रखे गए माईंड गेम, वीआर सेट का अवलोकन किया और जिला प्रशासन के इस अभिनव पहल की सराहना की। उन्होंने बच्चों के साथ फोटो सेशन भी कराया। इस दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव उपस्थित थे।

निगम ने नाली में कचरा डालने वाले 8 दुकानदारों पर लगाया जुमार्ना

विजय मत, रायपुर

आज नगर पालिक निगम में प्राप्त कचरा फेंकने सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही के निर्देश पर निगम जोन 9 क्षेत्र के तहत विधानसभा मार्ग आमासिवनी में नाली में कचरा डाले जाने से सम्बंधित जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन स्वास्थ्य अधिकारी बारोन बंजारे के नेतृत्व में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान स्थल पर नगर निगम को प्राप्त नाली में कचरा डाले जाने से सम्बंधित जनशिकायत

सही मिली. इस पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर जोन 9 जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने नाली में कचरा डाले जाने पर 8 दुकानदारों पर कुल 4300 रुपए का जुमार्ना सम्बंधित दुकान संचालकों को भविष्य के लिए कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी देते हुए वसूल किया और प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान किया।

सफलता की ओर अग्रसर लखपति दीदियां

विजय मत, सारंगढ़/बिलाईगढ़

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी रायगढ़ में 28 मई से 30 दिवसीय बिजली मिस्त्री का प्रशिक्षण चल रहा हैं, जिसमें भारत सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के स्वसहायता समूह के लखपति दीदियों को आरसेटी रायगढ़ द्वारा इलेक्ट्रीशियन कार्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सारंगढ़ - बिलाईगढ़ जिले के स्वसहायता समूह के 21 लखपति दीदियों द्वारा बिजली मिस्त्री बनने का प्रशिक्षण लिया जा रहा है,

ताकि भविष्य में बिजली मिस्त्री का कार्य करके अपना आजीविका बढ़ा सके। इस प्रशिक्षण के दौरान दीदियों द्वारा हाउस वायरिंग, मोटर रिवाईडिंग एवं घरेलू बिजली सामान का रिपेयरिंग करने की कला सीखा रहें हैं। आरसेटी रायगढ़ के सीनियर समन्वयक श्रवण श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में देखा जा रहा है कि सभी महिलाओं द्वारा बहुत ध्यान और लगन के साथ प्रशिक्षण ग्रहण किया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद लखपति दीदीयों द्वारा सीखी गई हाउस वायरिंग की कला, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिये कारगर सिद्ध होगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षक देवानंद तिवारी द्वारा इलेक्ट्रीशियन के बारीकी को सीखया जा रहा हैं,ताकि हमारे लखपति दीदियों द्वारा सीख कर बेहतर कार्य कर स्वरोजगार की ओर अपनी पहचान बनाकर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने।

खास-खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुपोषित छत्तीसगढ़ का सपना अब हकीकत बन रहा

कुपोषण से सुपोषण की ओर, यक्ष की मुस्कान में चमकता नया छत्तीसगढ़

विजय मत, दुर्ग

छत्तीसगढ़ में कुपोषण के खिलाफ एक नई क्रांति की शुरूआत हो रही है। भूख और कुपोषण की बेड़ियां टूट रही हैं, और बच्चों की आंखों में उम्मीद की चमक साफ दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुपोषित छत्तीसगढ़ का सपना अब हकीकत बन रहा है। उनका कहना है, हर बच्चा स्वस्थ हो, यही सच्चा सुशासन है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह संकल्प अब धरातल पर उतर रहा है। दुर्ग जिले की 77 ग्राम पंचायतों को कुपोषण मुक्त बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में ग्राम पंचायत करेला की कहानी प्रेरणादायक है। कुछ महीने पहले, करेला के आंगनबाड़ी केंद्र 1 में पंजीकृत बालक यक्ष मध्यम कुपोषण से जूझ रहा था। उसका वजन मात्र 9.8 किलोग्राम था, और वह

घर का खाना छोड़कर अस्वस्थ पैकेटबंद भोजन पर निर्भर था। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत यक्ष का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, जिसने उसके जीवन में बदलाव की शुरूआत की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दुर्गेश्वरी वर्मा और पर्यवेक्षक ममता साहू ने यक्ष के माता-पिता को पोषण का महत्व समझाया और घरेलू तरीकों से पौष्टिक भोजन तैयार करने की विधि सिखाई। ग्राम सरपंच डॉ. राजेश बंछोर ने पोषण खजाना योजना के अंतर्गत दाल, गुड़, और मूंगफली जैसी पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराई। जिससे यक्ष की सेहत में अभूतपूर्व बदलाव आया।नियमित आंगनबाड़ी केंद्र में भेजे जाने के बाद यक्ष में खाने की रुचि जागी। समूह भोजन के माहौल, सुबह अंकुरित अनाज, रेडी-टू-ईट पोषण आहार और माँ के स्नेह से तैयार भोजन ने उसकी सेहत को नई दिशा दी। आज यक्ष का वजन बढ़कर 11.5 किलोग्राम और लंबाई 89 सेंटीमीटर हो गई है। वह अब पूरी तरह सुपोषित है। उसकी चमकती आँखें और चेहरे पर खिलती मुस्कान न केवल उसके स्वास्थ्य, बल्कि नए छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की गवाही दे रही हैं। यक्ष के परिवार ने भावुक होकर शासन का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से बुचू राम का सपना हुआ साकार

विजय मत, जशपुर

हर किसी का सपना होता है एक पक्का घर और जब यह सपना साकार होता है तो जिंदगी में नई उम्मीदें और सुकून भर जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ है जशपुर जिले के बगीचा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पण्ड्रापाठ के बुचू राम का जिनका वर्षों पुराना सपना प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के माध्यम से अब हकीकत बन चुका है। बुचू राम पहले अपने पुराने, कच्चे और जर्जर मकान में पत्नी और बच्चों के साथ कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे थे। बरसात के मौसम में टपकती छत, चारों ओर पानी और असहज माहौल ने उनका जीवन कठिन बना रखा था। सीमित आय

और कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वह खुद का पक्का मकान बनाने की कल्पना भी नहीं कर पा रहे थे। लेकिन साल 2023-24 में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत उन्हें मकान निर्माण के लिए स्वीकृति मिली। ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक ने उनके दस्तावेज जुटाकर ऑनलाइन पंजीयन कराया और कुछ ही समय बाद उनके खाते में पहली किस्त की राशि पहुंच गई। बुचू राम ने बताया कि शुरूआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ, लेकिन बैंक जाकर जब खाते में राशि देखी तो आंखों में खुशी के आंसू आ गए। सरकारी सहायता और मनरेगा की मजदूरी मिलाकर उन्होंने अपना पक्का मकान तैयार किया। अब वे अपने परिवार के साथ न केवल सुरक्षित और मजबूत छत के नीचे रह रहे हैं, बल्कि बरसात के मौसम में भी बिना किसी चिंता के चैन की नींद ले पा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का लाभ दूरस्थ अंचलों के जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंच रहा है। इस योजना ने बुचू राम जैसे अनेक लोगों को सम्मान से जीवन जीने का अवसर दिया है।

रायपुर में कोयला एवं राखड़ परिवहन करने वाले 76 वाहनों पर बड़ी कार्रवाई

विजय मत, रायपुर

परिवहन विभाग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा और जनहित को लेकर विभाग किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी उद्देश्य को लेकर रायपुर में कोयला एवं राखड़ का खुले रूप में परिवहन कर रहे वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 76 वाहनों पर ?73,600 की चालानी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई रायपुर उड़नदस्ता टीम द्वारा परिवहन सचिव एवं आयुक्त एस. प्रकाश के निर्देश तथा अपर परिवहन आयुक्त डॉ. रविशंकर के मार्गदर्शन में की गई। खुले मालवाहक वाहन बने थे पर्यावरणीय खतरा रायपुर उड़नदस्ता टीम के प्रभारी सी.के. साहू ने बताया कि राजधानी के प्रमुख मार्गों पर कोयला एवं राखड़ ले जा रहे भारी वाहनों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान पाया गया कि बड़ी संख्या में वाहन बिना तिरपाल (कवर) के सड़कों पर दौड़ रहे थे, जिससे राख व कोयले की धूल उड़कर आमजन को असुविधा हो रही थी और वातावरण भी प्रदूषित हो रहा था। इस तरह की लापरवाही से न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, जैसे कि सांस की बीमारियां, आंखो में जलन और स्किन एलर्जी जैसी शिकायतें भी बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, सड़क पर उड़ती राख और कोयले के कारण दृश्यता प्रभावित होती है, जिससे

दुर्घटनाओं का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

सख्त निर्देश एवं हिदायतें इस अभियान में कुल 76 ऐसे वाहनों की पहचान की गई, जो परिवहन नियमों का उल्लंघन करते हुए बिना तिरपाल के संचालन कर रहे थे। इन पर कुल ?73,600 का जुमार्ना लगाया गया। इसके साथ ही चालकों एवं परिवहन कंपनियों को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में सभी वाहनों पर अनिवार्य रूप से तिरपाल लगाकर ही माल का परिवहन करें। साथ ही, नो पार्किंग एरिया में अनुचित तरीके से खड़े वाहनों को भी चिह्नित कर चालकों को फटकार लगाई गई कि वे सड़कों पर यातायात में अवरोध उत्पन्न न करें। विभाग का यह भी कहना है कि इस तरह की दिशानिदेर्शों की अवहेलना भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई का कारण बन सकती है। कार्यशाला आयोजित लगातार होगी निगरानी, नहीं होगी ढिलाई परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरणीय संरक्षण, सड़क पर आम लोगों की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान चलाए जाएंगे। विभाग यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि कोयला, राखड़, गिट्टी जैसे खुले माल के परिवहन में लगे सभी वाहन नियमित रूप से कवर का उपयोग करें और मानकों का पालन करें। परिवहन अधिकारियों का कहना है कि कई बार मालिकों व चालकों द्वारा लागत बचाने के उद्देश्य से तिरपाल का उपयोग नहीं किया जाता, परंतु यह व्यवहार लंबे समय में भारी सामाजिक और पर्यावरणीय कीमत चुका सकता है। इसलिए अब विभाग इस दिशा में ह्यजीरो टॉलरेंस नीतिह्न अपना रहा है। जनहित में ठोस कदम रायपुर उड़नदस्ता की इस कार्रवाई को न केवल प्रशंसनीय, बल्कि आवश्यक कदम माना जा रहा है, क्योंकि यह सीधे तौर पर जनता के स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आम नागरिकों ने भी विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए मांग की है कि इस तरह की निगरानी स्थायी रूप से जारी रहे।

सकुशल घर वापस लौटे 12 ग्रामीण

नक्सलियों ने हत्या की वारदात के बाद किया था अपहरण

विजय मत, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने मंगलवार को तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया. वारदात को अंजाम देकर 12 ग्रामीणों का अपहरण कर लिया और उन्हें जंगल लेकर आ गए. नक्सलियों ने अब उन सभी लोगों को रिहा कर दिया है. सभी सकुशल अपने घर लौट गए हैं. हत्या और अपहरण की घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। बता दे की नक्सलियों ने आज तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी. इसके बाद उन्होंने गांव के 12 लोगों का अपहरण किया और उन्हें जंगल लेकर आए. बताया जा रहा है कि करीब 7 लोगों के साथ मारपीट की गई. हालांकि अब सभी ग्रामीण सुरक्षित गांव पहुंच गए हैं।

तीन ग्रामीणों की हत्या

नक्सलियों ने 12 ग्रामीणों का अपहरण करने से पहले तीन ग्रामीणों को मौत के घाट उतार दिया था. हत्या की वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है।

गरियाबंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चोरी की 9 मोटरसाइकिल बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

विजय मत, गरियाबंद

गरियाबंद जिले के छुरा थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए छुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने 5 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 09 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है. सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है.

थाना छुरा क्षेत्र में विगत दिनों दो प्रमुख चोरी की घटनाएं सामने आई थीं. पहली घटना में दिनांक 20 अप्रैल 2025 की रात अज्ञात चोरों ने प्रार्थी टोमल लाल साहू की हीरो स्प्लेंडर मोटर साइकिल उनके घर से चोरी कर ली थी. दूसरी घटना 17 मई 2025 को घटी, जब प्रार्थी घनश्याम साहू की प्लेटिना मोटरसाइकिल साप्ताहिक

बाजार छुरा से चोरी हो गई थी.

मामला दर्जकर पुलिस एवं स्पेशल टीम ने विशेष अभियान चलाया। संदेही थनवार बंजारे के घर की तलाशी के दौरान चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं. पूछताछ पर थनवार बंजारे ने साथी आरोपियों गजेन्द्र नेताम, टीकम आडिल, डिगेश बंजारे और कृष्णा शर्मा के साथ मिलकर छुरा, पांडुका, फिंगेश्वर एवं ओडिशा के लखना क्षेत्र से वाहन चोरी करना कबूल किया.

पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया और उनके कब्जे से 9 चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त की। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया. पुलिस की इस कार्रवाई में थाना छुरा स्टाफ और स्पेशल टीम गरियाबंद की विशेष भूमिका रही. पुलिस ने अपील की है कि नागरिक अपने वाहनों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें.

गिरफ्तार आरोपी: टीकम आडिल (25 वर्ष), गादीकोट कृष्णा शर्मा (21 वर्ष), संजय नगर छुरा थनवार बंजारे (28 वर्ष), आवासपारा छुरा गजेन्द्र नेताम (22 वर्ष), गादीकोट डिगेश बंजारे (32 वर्ष),

नशेड़ी टीचर ने दुकान में घुसाई बाइक पिता पर चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला

विजय मत, बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार के भीड़भाड़ वाले सदर बजार में नशेड़ी बेटे ने अपने पिता पर दुकान में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया. आरोपी युवक ने चाकू से लगातार हमला किया, जिसे बुजुर्ग को गंभीर चोटें आई है. आरोपी युवक पेशे से शिक्षक है. इस घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। घटना के वक्त नरेंद्र सिंह चावला (70 साल) अपनी दुकान पर मौजूद थे. अचानक उनका बेटा अमरजीत चावला बाइक पर आया और शीशे पर वार करने लगा. वह बाइक लेकर अंदर घुसा और चाकू निकलकर अपने पिता पर ताबड़तोड़ वार कर दिया. घायल बुजुर्ग के शरीर पर खून बहने लगा. परिजनों ने उन्हें घायल अवस्था में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के बाद अब उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंची। जांच के बाद आरोपी युवक अमरजीत को गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 109 (हत्या के प्रयास) के तहत कार्रवाई की गई है।

आरोपी पहले भी जा चुके है जेल

डीईओ हिमांशु भारतीय ने बताया कि अमरजीत चावला नाम का शिक्षक, पहले से ही अन्य मामलों में निलंबित चल रहा है. अब जानकारी आई है कि उसने अपने पिता पर जानलेवा हमला किया है. कोर्ट से जो आदेश जारी होगा, उसके आधार पर विभागीय कार्रवाई करेंगे. बच्चों और दूसरे शिक्षकों की सुरक्षा के लिए ऐसे शिक्षक को बहाल करने से पहले 10 बार सोचेंगे. कोशिश रहेगी कि ऐसे शिक्षक को बर्खास्त किया जाए।

नशे में धुत कार सवार ने बाइक को मारी जोरदार ठोकर, 4 की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेण्ड्रा थाना क्षेत्र के सेवरा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों और एक युवती की मौत हो गई। हादसे को अंजाम देने वाला आरोपी स्नेहिल गुप्ता शराब के नशे में धुत था और अपनी तेज रफ्तार ब्रेजा कार से सामने से आ रही दो मोटरसाइकिलों को जोरदार होकर मार दी। इस हादसे के बाद उसने मृतकों के परिजनों से मौके पर बदसलूकी भी की और धौंस जमाते हुए कहा कि तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी स्नेहिल गुप्ता पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) समेत कई गंभीर गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि 25 वर्षीय स्नेहिल गुप्ता मरवाही का रहने वाला है। बीते रविवार की रात शराब पीने के बाद वह अपनी मां वंदना गुप्ता के नाम पर रजिस्टर्ड ब्रेजा कार में सवार होकर तेज रफ्तार में पेंड्रा से सेवरा की ओर जा रहा था। नशे में बेकाबू हुई गाड़ी ने दो बाइकों को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल युवती ने बिलासपुर ले जाते समय दम तोड़ दिया। चारों मृतक दोस्त थे और एक दूसरे दोस्त की बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे। मृतकों में गंगाराम गंधर्व (25) निवासी गिरारी, रामावतार गोंड (30) निवासी कुदरी, भूपेंद्र गोंड (28) निवासी बरघाट और बंधी निवासी शानू केवंट (22) का नाम शामिल है।

परीक्षा में पास करने के बहाने छात्रा से की छेड़छाड़, पुलिस ने किया गिरफ्तार

विजय मत, बलौदाबाजार

जिले के एक स्कूल में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी शिक्षक पहले से ही इस तरह के शर्मनाक घटना के चलते शासकीय सेवा से निलंबित था। घटना 9 जून की है जब शिक्षक शैलेष वर्मा ने नाबालिक छात्रा को परीक्षा में पास कराने के नाम पर उसके साथ छेड़छाड़ किया था। शुरूआत में तो छात्रा इस घटना से परेशान थी लेकिन बड़ी हिम्मत करके उसने अपने साथ हुई आपबीती परिजनों को बताया, जिसके बाद नाबालिग लड़की की मां ने 16 जून को सुहेला थाने पहुंचकर आरोपी शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर

नाबालिग से छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। बता दें कि आरोपी शिक्षक शैलेष वर्मा शासकीय शिक्षक है और पूर्व में भी इस शिक्षक पर इसी तरह का आरोप लगा हुआ है, जिसके बाद से वह निलंबित है। वहीं अपने भाई के स्कूल में भी जाकर उसने इस तरह की हरकत को अंजाम दिया है। घटना के संबंध में एसडीओपी भाटापारा तोमेश साहू ने बताया कि नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई है। आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में दूसरे थाने में भी इसी तरह का मामला दर्ज हुआ था।

स्कूल में छात्राओं की सुरक्षा में उठा सवाल

इस घटना ने घटना क्षेत्र के स्कूल में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। वहीं एक निलंबित शासकीय शिक्षक उस स्कूल में क्या कर रहा था, यह भी जांच का विषय है। यदि इस तरह की घटना वहां हुई है तो क्या स्कूल प्रबंधन पर कार्रवाई होगी? जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने बताया कि आरोपी शिक्षक शैलेष वर्मा के विरुद्ध पहले भी इसी तरह का मामला दर्ज हुआ है, जिसके बाद आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। वहीं पुनः यह घटना सामने आई है। पूरी घटना की जांच कर उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा और उसके बाद उनके आदेश पर कार्रवाई होगी। वहीं जिस स्कूल में घटना हुई है। वहां भी जांच की जाएगी तथा यदि सुरक्षा को लेकर लापरवाही पाई जाती है।

छग के बीजापुर में दर्दनाक सड़क हादसे

ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार महिला टीचर को रौंदा, मौके पर मौत

विजय मत, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा बीजापुर थाना क्षेत्र के आईटीआई कॉलेज के पास हुआ, जब तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. मृतिका की पहचान गीता पैंकरा के रूप में हुई है. मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, शिक्षिका गीता पैंकरा स्कूटी पर सवार होकर जा रही थी. इस दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने शिक्षिका को रौंद दिया. मृतिका रायगढ़ जिले के लैलूंगा तहसील के रहने वाली थी और प्राथमिक शाला पेद्दापारा, तुमनार में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थीं. हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चालक को पकड़ लिया. शव को जिला अस्पताल बीजापुर के शवगृह में रखा गया है, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को कल शव को सौंप दिया जाएगा. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है. वहीं ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है. आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थाना परिसर में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे प्रार्थी को पूरे परिवार ने पीटा

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के बगीचा थाना परिसर में मगंलवार रात जमकर बवाल कटा. पड़ोसी से विवाद के बाद थाने में शिकायत दर्ज कराने आए प्रार्थी के साथ मारपीट की घटना हुई. आरोपियों ने बीच बचाव के लिए आए पुलिसकर्मियों को पालतू कुत्ते से कटवाया.

इस घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. आगे की कार्रवाई जारी है. बगीचा निवासी दीपक जायसवाल और उसके पड़ोसियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. इसके बाद प्रार्थी दीपक जायसवाल मंगलवार रात को बगीचा थाना में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा था. इस दौरान आरोपी सागिर हुसैन, साबिर हुसैन, जाकिर हुसैन और महिलाएं पहले से परिसर में मौजूद थी. आरोपियों ने दीपक जायसवाल और उसके भाई के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया. आरोपियों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने बीच बचाव करने पहुंचे के प्रधान आरक्षक लक्ष्मण सिंह और एएसआई राजकुमार पैकरा के साथ धक्का-मुक्की की. आरोपियों ने अपने पालतू कुत्ते को इशारा करते हुए पुलिस वालो को काटने के लिए कहा, और फिर कुत्ते ने आरक्षक धनेश्वर राम के पैर में काट लिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए. मौके पर अन्य पुलिस स्टाफ के पहुंचने पर सभी आरोपी थाने से भाग गए थे।

थाने से आरोपी के भागने पर एसपी ने SI को किया निलंबित, टीआई को थमाया नोटिस

रेत माफिया ने ऑपरेटर को मारा चाकू, हालत गंभीर

विजय मत, धमतरी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में अवैध रेत खनन पर कार्रवाई के दौरान चाकूबाजी की घटना सामने आई है. पुलिस ने इस मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं थाने से एक आरोपी भाग गया. इस मामले में एसपी ने जांच के आदेश दिए थे. ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर एक एसआई को तत्काल निलंबित किया है. वहीं अजुर्नी टीआई को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है. जिला प्रशासन की टीम ने मंगलवार रात जवरगांव, लीलर में छापा मारा. इस दौरान 3 चैन माउंटेन, एक जेसीबी और तीन हाईवा जब्त किए गए. साथ ही 400 ट्रैक्टर रेत के भंडारण पर कार्रवाई की गई. प्रशासन को जब्त वाहनों को ले जाने के लिए ऑपरेटर की जरूरत पड़ी तो ललित ध्रुव (23) को बुलाया गया. इस दौरान कुछ लोगों ने ललित पर चाकू से हमला कर

दिया. घायल युवक को पहले धमतरी अस्पताल ले जाया गया. हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया. घटना की जानकारी मिलने पर अजुर्नी पुलिस ने मामला दर्ज कर एक संदेही अंकूर अग्रवाल को गिरफ्तार कर देर रात्रि थाना अजुर्नी में बैठाकर रखा गया था. बाद में जानकारी के आधार पर मामले में नामजद आरोपी के तौर पर उसे शामिल किया गया. इस दौरान आरोपी अंकुर पुलिस को चकमा देकर थाने से फरार हो गया. इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए. उन्होंने इस मामले में टीआई को नोटिस जारी किया है. वहीं जांच में लापरवाही पाए जाने पर थाना अजुर्नी में रात्रि ड्यूटी पर तैनात उप निरीक्षक सरिता मानिकपुरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए रक्षित केंद्र धमतरी में संबद्ध किया गया है. वर्तमान में चाकूबाजी के मुख्य आरोपी कुलदीप के साथ अन्य तीन आरोपी अर्थात कुल चार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है. एक फरार आरोपी की खोजबीन में पुलिस जुटी है. पीड़ित का इलाज जारी है. एसपी ने कहा, धमतरी पुलिस आमजन के प्रति उत्तरदायी, पारदर्शी एवं मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील रहते हुए विधिसम्मत और मर्यादित पुलिसिंग के लिए प्रतिबद्ध है. विभाग में अनुशासन बनाए रखने, जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए लापरवाही के ऐसे मामलों में भविष्य में भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भाई ने की बड़ी बहन की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, जानिए वारदात की वजह

विजय मत, पिथौरा

महासमुंद जिले के बसना थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद में एक भाई ने अपनी ही सगी बड़ी बहन की डंडे से वार कर हत्या कर दी. यह घटना बसना के वार्ड नंबर 15 के आदर्श नगर की है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस मामले की जांच कर रही. जानकारी के अनुसार, मृतका का नाम सलमा जौहरी (उम्र लगभग 40 वर्ष) है, जिसे उसके ही भाई गोलू उर्फ सलीम जौहरी ने मंगलवार देर रात लकड़ी के गुटके से सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इलाज के लिए अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतका की छोटी बहन सबनम जौहरी ने पुलिस को बताया कि परिवार में चार बहनें और एक भाई हैं. उनका भाई सलीम अपनी पत्नी के साथ अलग किराए पर रहता है, जबकि चारों बहनें अपनी मां के साथ निवास करती हैं. सलीम अक्सर परिवार के ऊपर ह्लमेरा ध्यान नहीं रखा जाताह्व कहते हुए विवाद करता था. 17 जून की रात करीब 10:30 बजे सलीम ने घर आकर गाली-गलौच शुरू कर दी. जब सलमा ने उसे समझाने की कोशिश की तो गुस्से में आकर आंगन में रखे लकड़ी के टुकड़े को सिर पर दे मारा, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गई. परिजनों ने तत्काल उसे बसना के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, लेकिन सिर पर गहरी चोट लगने के कारण उसकी मृत्यु हो गई. इस मामले में बसना थानेदार नरेंद्र राठौड़ ने बताया कि आवेश में आकर भाई ने बहन पर प्राण घातक हमला किया. घायल बहन को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिलहाल मृतका की बहन की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी भाई सलीम उर्फ गोलू जौहरी के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

धोनी की मौजूदगी से सीएसके में नहीं उभर रहा नया नेतृत्वः बांगर

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने आरोप लगाया है कि कि महेन्द्र सिंह धोनी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में कोई नया नेतृत्व नहीं उभर रहा है। बांगर के अनुसार धोनी के साये में पहले रविंद्र जडेजा धोनी और उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ कप्तान के तौर पर विकसित नहीं हो पाए। बांगर ने कहा है कि धोनी की मौजूदगी से अन्य खिलाड़ियों में स्वाभाविक नेतृत्व क्षमता विकसित इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि अन्य खिलाड़ी धोनी की नकल करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि रुतुराज और जडेजा धोनी के साए में हुए अपनी सोच विकसित नहीं कर पाये। ये दोनो ही धोनी की मानसिकता की नकल करते करने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे। बांगर की ये बात काफी हद तक सही भी नजर आत है जब भी सीएसके प्रबंधन ने अपनी टीम में नए नेतृत्वकर्ता को आगे किया है वह धोनी के भरोसे काम करने लगता है। इसी कारण सीएसके पिछले दो सत्र से असफल हो रही है। सीएसके पहले कभी नौवें स्थान से नीचे नहीं रही, लेकिन आईपीएल 2025 में वह सबसे नीचे रही।

मैकग्रा जैसे गेंदबाज हैं बुमराहः ब्रॉड

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्लेन मैकग्रा की तरह हैं। ब्रॉड के अनुसार जिस प्रकार मैकग्रा अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को हैरान कर देते थे, वही खूबी बुमराह की गेंदबाजी में भी नजर आती है, उनकी गेंदबाजी की गति वास्तविकता से अधिक नजर आती है। बुमराह की गेंदबाजी में भी वहीं संतुलन नजर आता है जो मैकग्रा में था। ऐसे में सभी की नजरें इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज में बुमराह पर रहेगी। ब्रॉड ने कहा, 'बुमराह जब गेंद करने के लिए दौड़ते हैं तो बल्लेबाज सोचते हैं कि यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी हालांकि वह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद करते हैं जिससे वह सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं। उन्होंने जोस बटलर के साथ बातचीत में कहा, 'बुमराह का रन अप भी मैकग्रा की तरह ही बेहद संतुलित है और वह इसे बरकारार रखे हैं। ब्रॉड ने कहा कि अगर बुमराह लीड्स में शुरू होने वाली सीरीज के सभी पांच मैचों में खेलते हैं तो उनको काफी विकेट मिल जाएंगे। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से उन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। वहीं इंग्लैंड टीम कभी नहीं चाहेगी कि वह सभी पांच टेस्ट मैच में खेले। बटलर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर आई भारतीय टीम में बुमराह से बड़ा कोई सितारा नहीं है। उनका रन-अप और एक्शन सबसे अलग है। इसलिए उनकी तुलना किया और किसी और गेंदबाज से नहीं की जा सकती।

बुमराह बोले- मैंने कप्तान बनने से इंकार कर दिया था

लंदन, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद मुझे कप्तान बनने का प्रस्ताव दिया गया था पर मैंने इंकार कर दिया था। उसी के बाद इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है। बुमराह ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें कप्तान बनाना चाहता था पर वह तैयार नहीं थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में बुमराह ने कहा कि वह बार-बार चोटिल होने के कारण सभी पांच टेस्ट नहीं खेल सकते। उन्होंने इस दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम को किसी प्रकार का नुकसान न हो। बुमराह ने कार्तिक को बताया, इसमें कोई कहानी या विवाद जैसी बात नहीं है। आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी।

शास्त्री बोले- राहुल करें पारी की शुरुआत, साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारा जाये

लीड्स, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि 20 जून से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर रहे युवा साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारना चाहिए। वहीं बल्लेबाजकरुण नायर को पांचवें नंबर पर भेजना चाहिये। शास्त्री ने कहा, 'पिछली बार इंग्लैंड दौरे में शतक लगाने वाले के एल राहुल को पारी शुरु करने भेजा जाये।'

शास्त्री ने कहा, 'तीसरे नंबर पर मैं युवा खिलाड़ी सुदर्शन को इसलिए चाहता हूं क्योंकि उनकी तकनीक अच्छी है और इस नंबर पर उतरने से उनको अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा।' सुदर्शन पिछले काफी समय से अच्छे फॉर्म में हैं। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद एक ही आईपीएल सत्र में 700 रन बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को चौथे नंबर पर उतारा जाये। शुभमन ने अपने शुरुआती 32 टेस्ट मैच में नंबर तीन पर खेला है। शास्त्री के अनुसार सात साल के लंबे समय के बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले करुण नंबर पांचवें नंबर पर प्रभावी साबित होंगे।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के अलावा उनके पास काउंटी क्रिकेट खेलने का अनुभव भी है जिसका उन्हें लाभ मिलेगा। शास्त्री ने कहा, 'वर्तमान फॉर्म के आधार पर इस नंबर पर करुण ही सबसे बेहतर विकल्प नजर आते हैं। वहीं छठे नंबर पर ऋषभ पंत उतरेंगे।'

गेंदबाजी की बात करें तो शास्त्री ने कहा कि लीड्स की वह तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, ' गेंदबाज ऑलराउंर के लिए शार्दुल और नीतीश रेड्डी के बीच मुकाबला मुश्किल होगा, इसमें देखना होगा कि कौन कितना गेंदबाजी कर सकता है।

शुभमन के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं होगी : कार्तिक

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है किभारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं रहेगी। कार्तिक के अनुसार उनका विदेशी धरती पर बल्लेबाजी औसत अच्छा नहीं रहा है। वहीं इंग्लैंड की पिचों पर बल्लेबाजी करना काफी कठिन होता है। शुभमन को कप्तानी सौंपी गई है और इस कारण भी उनपर दबाव रहेगा। भारतीय टीम भारत ने आखिरी बार 2007 में यहां टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं इस बार टीम के पास रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज नहीं हैं। दूसरी ओर कोच कोच ब्रेंडन मैकुलम के आने से इंग्लैंड की टीम काफी आक्रामक क्रिकेट खेलती है। साल 2022 में मैकुलम के कोच बनने के बाद से ही टीम अपनी धरती पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है।

ऐसे में कार्तिक का मानना है कि प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण इंग्लैंड का कमजोर गेंदबाजी आक्रमण ही भारतीय टीम के लिए राहत की बात है। ऐसे में अगर टीम को मेजबानों पर दबाव बनाना है तो उनके गेंदबाजों को निशाना बनाना होगा। इंग्लैंड के बल्लेबाज आक्रामक रवैया अपनाकर मैच पर पकड़ बनाने का प्रयास करेंगे। ऐसे में गेंदबाजी को निशाना बनाकर भारतीय टीम दबाव बना सकती है।

शुभमन का औसत इससे पहले इंग्लैंड में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 14.66 की औसत से 88 रन बनाए। ऐसे में कार्तिक चाहते हैं कि गिल अपनी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दें। कार्तिक का मानना है कि यह मैदान भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान के लिए रन बनाने और ड्रेसिंग रूम में सम्मान पाने के लिए आदर्श जगह हो सकती है। उन्होंने कहा, शुभमन को मैं जो पहली जानकारी देना चाहता हूं, वह यह है कि अपनी कप्तानी की बातें केवल फील्डिंग के दौरान ही करें बल्लेबाजी के दौरान उसे भूल जायें।

लीड्स की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रहेगीः रॉबिन्सन

लीड्स। यहां शुक्रवार से भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पिच कैसी रहेगी। ये सवाल सभी मन में उठ रहा है। इसी को लेकर पिच क्यूरेटर रिचर्ड रॉबिन्सन ने कहा है कि पिच अच्छी रहेगी। रॉबिन्सन ने कहा कि यहां अभी शुष्क मौसम है और मेजबान टीम की उम्मीदों के अनुसार ही एक ऐसी पिच बनायी गया है जिसपर आक्रामक शॉट खेले जा सकें।

फुटबॉल

अमेरिका में फीफा क्लब विश्वकप में खेलते हुए एफसी फारवर्ड लेबो मोथिबा।

एमएलसीः मैक्सवेल की शतकीय पारी से वॉशिंगटन फ्रीडम ने एलए नाइट राइडर्स को हराया

कैलीफोर्निया, एजेंसी

अमेरिकी मेजर लीग (एमएलसी) में वॉशिंगटन फ्रीडम की कप्तानी करते हुए ऑस्ट्रेलिया आक्रामक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ने तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। मैक्सवेल ने अपनी इस पारी में 49 गेंदों में नाबाद 106 रन बनाये जिससे वॉशिंगटन फ्रीडम ने 5 विकेट पर 208 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए एलए नाइट राइडर्स केवल 95 रन ही बना पायी।

इस मैच में मैक्सवेल ने तूफानी पारी खेलते हुए 13 छक्के लगाकर 216 की स्ट्राइक रेट से शतक लगा दिया। इससे वेस्टइंडीज के क्रिकेटर जेसन होल्डर की कप्तानी वाली एलए नाइट राइडर्स को तीसरी हार का सामना करना पड़ा। मैक्सवेल वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं

इससे पहले सबसे ज्यादा स्कोर स्टीव स्मिथ का था जिन्होंने पिछले सत्र में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ 88 रन बनाए थे।

बिजनेस

भारत की स्थिति वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बेहतरः सीईए

तिरुवनंतपुरम। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश के स्थिर आर्थिक प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक बेहतर स्थिति में बना हुआ है। सीईए ने कहा कि कहा कि 2022 से संघर्ष एवं व्यवधान वैश्विक परिदृश्य का हिस्सा रहे हैं लेकिन वे अब अधिक अप्रत्याशित हो गए हैं। इससे समग्र परिवेश चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सुरक्षा से संबंधित हो दुनिया भर में वृद्धि के लिए कहीं अधिक चुनौतियां पेश कर रहे हैं। नागेश्वरन ने पश्चिम एशिया में यूक्रेन-रूस, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्षों और शुल्क युद्धों के कारण बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे किए गए सवाल पर कहा कि आप कह सकते हैं कि सकारात्मक संभावनाओं पर कहीं न कहीं ये स्थितियां हावी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है, यह कई देशों को प्रभावित कर रही हैं। सीईए ने कहा कि कुछ हद तक यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में वैश्विक परिवेश चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो या सुरक्षा से संबंधित हो, वृद्धि के लिए काफी जटिल और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया हैञ्न केवल भारत के लिए बल्कि कई देशों के लिए लगभग पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए।

सेंसेक्स 139 अंक गिरकर 81,445 पर बंद निफ्टी 41 अंक नीचे 24,812 पर आया

मुंबई, एजेंसी

फार्मा, आईटी, मेटल और मीडिया शेयर्स 1.3% तक गिरे

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी बुधवार, 18 जून को सेंसेक्स 139 अंक गिरकर 81,445 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 41 अंक की गिरावट रही, ये 24,812 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 10 में तेजी जबकि 20 में गिरावट रही। TCS, अडाणी पोर्ट्स और HUL के शेयर 2 प्रतिशत तक नीचे आ गए। जबकि, इंडसइंड बैंक का शेयर 4.44 प्रतिशत चढ़ा। टाइटन, M&M और मारुति के शेयरों 2 प्रतिशत तक की तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 14 में तेजी, जबकि 36 में गिरावट रही। NSE के ऑटो, प्राइवेट बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में 0.8 प्रतिशत तक की तेजी रही। वहीं, फार्मा, IT, मेटल और मीडिया शेयर्स 1.3 प्रतिशत तक गिरे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 348 अंक (0.90 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 38,885 पर और कोरिया का कोस्पी 22 अंक (0.74 प्रतिशत) चढ़कर 2,972 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स करीब 270 अंक (1.12 प्रतिशत) गिरकर 23,711 के स्तर पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 1 अंक ऊपर 3,380 पर कारोबार कर रहे हैं। 17 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.70 प्रतिशत गिरकर 42,216 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.91 प्रतिशत नीचे 19,521 पर और S&P 500 0.84 प्रतिशत गिरकर 5,983 पर बंद हुए।

17 जून को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 1,482.77 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 8,207.19 करोड़ रुपए की खरीदारी की। जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 5,869.04 करोड़ की बिकवाली की है। जबकि घरेलू निवेशकों ने 58,138.87 करोड़ की नेट खरीदारी है। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ?67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

एरिसइंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का IPO आज यानी 18 जून को ओपन हो गया है। निवेशक इस इश्यू के लिए 20 जून तक बिडिंग कर सकेंगे। 25 जून को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 499.60 करोड़ जुटाना चाहती है। कंपनी इश्यू में 2.25 करोड़ फ्रेश शेयर्स जारी करेगी। इस इश्यू में कंपनी के मौजूदा निवेशक या प्रमोटर ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचेंगे।

हफ्ते के दूसरे कारोबार दिन यानी मंगलवार, 17 जून को सेंसेक्स करीब 213 अंक गिरकर 81,583 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 93 अंक की गिरावट रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 8 में तेजी और 22 में गिरावट रही। टाटा मोटर्स, सनफार्मा और इटरनल (जोमैटो) समेत 10 कंपनियों के शेयर 2 प्रतिशत गिरे। एशियन पेंट्स, इंफोसिस और टेक महिंद्रा में 1.7 प्रतिशत तक की तेजी रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में गिरावट,11 में तेजी रही जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ। हस्थ्र के ढ्ढञ्ज सेक्टर को छोड़कर सभी में गिरावट रही। दवाओं पर ट्रंप के नए टैरिफ के ऐलान की खबरों के चलते फार्मा सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.89 प्रतिशत की गिरावट रही।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 45 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.49 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

अब देश के 73 प्रतिशत एटीएम में ?मिलेंगे 100 या 200 के नोट

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में कुछ दिनों पहले देश के सभी बैंकों को निर्देश दिए थे कि वह अपने एटीएम में 100 और 200 रुपये के नोट लोगों को जरूर उपलब्ध कराएं, जिससे लोगों को नोट निकालने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। आरबीआई ने इस काम को करने के लिए बैंकों को 30 सितंबर 2025 तक की समयसीमा दी थी लेकिन आरबीआई के इस निर्देश का असर अभी से दिखने लगा है। दरअसल, एक रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 73 प्रतिशत एटीएम ऐसे हो चुके हैं, जिनमें कम से कम एक कैसेट से 100 या 200 रुपये के नोट मिल रहे हैं। दिसंबर 2024 तक यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था, जो आरबीआई के आदेश के बाद बढ़ गया है।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में 11,000 करोड़ में 1,164 लग्जरी अपार्टमेंट बेचे

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम में 1,164 लक्जरी अपार्टमेंट करीब 11,000 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। डीएलएफ ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में अपनी नवीनतम लक्जरी पेशकश डीएलएफ प्रिवाना नॉर्थ को बेचने की घोषणा की। यह बिक्री परियोजना शुरू होने के केवल एक सप्ताह के भीतर करीब 11,000 करोड़ रुपये में की गई। यह परियोजना गुरुग्राम के सेक्टर 76 व 77 में 116 एकड़ की एकीकृत टाउनशिप डीएलएफ प्रिवाना का हिस्सा है डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि यह डीएलएफ के व्यापक स्तर के आवास उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण को बताता है। उन्होंने कहा कि मजबूत बिक्री प्रतिक्रिया डीएलएफ की पेशकशों के लिए स्पष्ट मांग को दर्शाती है जो हमारी पिछली परियोजनाओं की सफलता से प्रेरित है। इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि डीएलएफ गुरुग्राम में इस नई लक्जरी आवास परियोजना के विकास के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

मेकमाईट्रिप शेयर और परिवर्तनीय बॉण्ड की बिक्री से जुटाएगी 2.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली। यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप का कहना है ?कि वह शेयर और परिवर्तनीय बॉण्ड की बिक्री के जरिये 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाने पर ?विचार कर रही है। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक को दी गई सूचना के अनुसार इस जुटाई गई रा?शि का उददेश्य कंपनी में चीन स्थित ट्रिप डॉट कॉम समूह की हिस्सेदारी को उल्लेखनीय रूप से कम करना है। नैस्डैक में सूचीबद्ध कंपनी ने पेशकश से हा?सिल की गई आय के साथ-साथ परिवर्तनीय बॉण्ड की पेशकश से ?मिली राशि का इस्तेमाल ट्रिप.कॉम द्वारा पहले अधिग्रहित अपने 'क्लास बी' शेयर के एक हिस्से को पुनर्खरीद करने के लिए करने की योजना बनाई है। सामान्यतः क्लास बी शेयर में सामान्य शेयरों के समान ही अधिकार एवं प्राथमिकताएं होती हैं, सिवाय इसके कि इस श्रेणी के शेयर को नियंत्रित करने वाली निर्गम शर्तों को विशेष रूप से निर्धारित किया गया हो।

सोने के भाव 99,400 रुपए, चांदी 1,09,500 रुपए के करीब

सोने की चमक फीकी पड़ी, चांदी नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी

रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद अब सोने के भाव नरम पड़ गए हैं। लेकिन चांदी नए रिकॉर्ड बना रही है। बुधवार को भी इसके वायदा भाव सार्वज?निक उच्च स्तर पर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में सोने के भाव 99,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,09,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के भाव गिरावट, जबकि चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और इसके भाव 14 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 169 रुपये की गिरावट के साथ 99,372 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 99,541 रुपये था। इस समय यह 164 रुपये की गिरावट के साथ 99,377 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 357 रुपये की तेजी के साथ 1,09,352 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,995 रुपये था। इस समय यह 501 रुपये की तेजी के साथ 1,09,496 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में मंगलवार को सोने के वायदा में नरमी और चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,409 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,406.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.60 डॉलर की गिरावट के साथ 3,401.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 37.20 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 37.15 डॉलर था।

बैंक में जमा पर मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ा सकता है केंद्र

सरकार ने कहा- बीमा सीमा बढ़ने से बैंकिंग सिस्टम पर बढ़ेगा भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार बैंक जमा पर मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ाने पर विचार कर रही है। बैंक डिपॉजिट पर पांच लाख रुपए तक का ही बीमा होता है, लेकिन वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस सीमा को जल्द बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में 'डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन' के तहत किसी भी बैंक के बंद होने या दिवालिया होने की स्थिति में जमाकर्ताओं को अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा कवर मिलता है। यह बीमा राशि एक व्यक्ति के सभी खातों पर कुल मिलाकर दी जाती है यानी यदि किसी व्यक्ति का बैंक में 10 लाख रुपये जमा है और बैंक बंद हो जाता है, तो उसे सिर्फ 5 लाख रुपये ही वापस मिलेंगे। यह बीमा कवर सीधे जमाकर्ता से प्रीमियम नहीं लेता, बल्कि बैंक ही इसका प्रीमियम चुकाते हैं। यह बीमा सिर्फ उन्हीं हालातों में लागू होता है जब बैंक पर मोरेटोरियम लग जाए या वह पूरी तरह से बंद कर दिया जाए। हाल ही में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में सामने आई अनियमितताओं के बाद एक बार फिर यह मुद्दा चर्चा में है। इससे पहले भी पीएमसी बैंक, यस बैंक, और लक्ष्मी विलास बैंक जैसी संस्थाओं में वित्तीय संकट के चलते ग्राहकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं के मद्देनज़र, सरकार का मानना है कि बीमा सीमा बढ़ाने से लोगों का बैंकिंग सिस्टम पर भरोसा बढ़ेगा। साथ ही वे गारंटी की रकम तक पैसा जमा करने में संकोच नहीं करेंगे। इससे बचत में बढ़ोतरी होगी और बैंक ज्यादा कर्ज देने की स्थिति में होंगे। अगर कोई बैंक दिवालिया घोषित होता है या उस पर मोरेटोरियम लगाया जाता है, तो डीआईसीजीसी के नियमों के मुताबिक जमाकर्ताओं को 90 दिनों के भीतर बीमा राशि प्रदान की जाती है। प्रभावित बैंक को 45 दिनों के भीतर खाताधारकों का विवरण डीआईसीजीसी को भेजना होता है और इसके बाद अगला 45 दिनों में राशि खाताधारकों को दी जाती है।

न्यूज विंडो

छग हाईकोर्ट में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर लगा पूर्ण प्रतिबंध

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट परिसर में अब मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को लेकर जाना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनीष कुमार ठाकुर द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, न्यायालय कक्ष में उपस्थित रहने वाले पक्षकारों और वादियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे मोबाइल या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (भले ही स्विच ऑफ मोड में हो) अंदर न ले जाएं।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोर्ट की कार्यवाही के किसी भी भाग की रिकॉर्डिंग सख्त रूप से प्रतिबंधित है। यदि कोई व्यक्ति इन निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट (न्यायालय कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग) नियम, 2022 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि पहले से ही कोर्ट रूम में मोबाइल को साइलेंट मोड पर रखने की हिदायत थी, ताकि कोर्ट की कार्यवाही बाधित न हो। लेकिन हाल के दिनों में कुछ मामलों में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आई हैं, जिसके चलते यह सख्त निर्णय लिया गया है। बताया गया है कि यह आदेश मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर जारी किया गया है।

कुआगोंदी व्यपवर्तन की नहर के कार्यों के लिए 2.93 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बालोद जिले के विकासखण्ड डौंडीलोहारा की कुआगोंदी व्यपवर्तन नहर के लाईनिंग एवं अन्य कार्यों के लिए 2 करोड़ 93 लाख 83 हजार रूपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना के कार्य पूर्ण हो जाने पर यहां पर रूपांकित सिंचाई 276 हेक्टेयर में 165 हेक्टेयर की सिंचाई की पूर्ति सहित पूरे रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा हो जाएगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से योजना के कार्यों को पूर्ण कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृत जारी की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव के आदेश को लेकर पत्रकारों ने दिया धरना

प्रदेशस्तरीय आंदोलन की दी चेतावनी

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में मीडिया कवरेज को लेकर स्वास्थ्य विभाग के तुगलकी फरमान का रायपुर जिले के पत्रकारों ने विरोध किया है। पत्रकारों ने सड़क पर उतरकर राजधानी के अंबेडकर चौक पर आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध जताया और तीन दिन में ये आदेश वापस नहीं लेने पर प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन की चेतावनी दी।

दरअसल सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग ने शासकीय मेडिकल कॉलेज और सरकारी अस्पतालों में मीडिया कवरेज को लेकर 3 पन्नों का आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित सभी शासकीय अस्पतालों में एक लाइजनिंग अधिकारी या जनसम्पर्क अधिकारी के जरिए मीडिया को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही उस अधिकारी से अनुमति लेने के बाद ही पत्रकार अस्पताल में खबर कर सकेंगे। आदेश में मरीज की गोपनीयता के सम्मान को सर्वोपरि बताया गया है, जिसका पालन एक पत्रकार हमेशा से अनिवार्य रूप से करता आया है।

उक्त आदेश में अस्पताल के अंदर रोगियों के वार्डों या संवेदनशील क्षेत्रों में मीडिया के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध निर्धारित किया है। इसी तरह किसी भी घटना या दुर्घटना के मामले में रोगियों के नाम, पहचान या चिकित्सा स्थिति का खुलासा नहीं किया जाएगा, जब तक कानून द्वारा आवश्यक न हो। इस आदेश में मीडिया के प्रवेश और कवरेज के लिए भी नियम बनाए गए हैं, जिसके तहत मीडियाकर्मी पहले जनसंपर्क अधिकारी से अनुमति लेगा, फिर कवरेज क्षेत्र में जाएगा, किसी भी रोगी की बिनी अनुमति संवेदनशील जानकारी उजागर नहीं करेगा, लाइव रिपोर्टिंग के लिए निर्धारित स्थान और समय निर्धारित रहेगा, ताकि अस्पताल के कामकाज पर इसका असर न हो।

तीन पन्नों के आदेश में मीडिया पर कई ऐसी पाबंदियां लगाई गई है, जो स्वाभाविकता में संभंव नहीं है। इसका पत्रकारों ने अंबेडकर चौक स्थित अंबेडकर प्रतिमा के सामने आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध किया और विभाग द्वारा जारी आदेश तीन दिन में वापस नहीं लेने पर राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। फिलहाल विभाग की ओर से जारी इस आदेश के पीछे सरकारी अस्पताल में हो रही गड़बडियों को बाहर नहीं आने देने की वजह सामने आ रही है।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर लगी मुहर

वर्ष 2025-26 में 60,000 और 2026-27 में 70,000 सोलर पावर प्लांट की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मुख्यमंत्री के सिविल लाईन स्थित उनके निवास कार्यालय में आयोजित की गई। राज्य कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी।

मंत्रिपरिषद ने अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति सूची में तकनीकी कारणों से शामिल होने से वंचित जातियों को प्राप्त होने वाली कतिपय सुविधाएं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए डिहारी कोरवा, बघेल क्षत्री, संसारी उरांव तथा पबिया, पविया, पवीया समाज के विद्यार्थियों को अनुसूचित जनजाति के समतुल्य एवं डोमरा जाति के विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति के समतुल्य राज्य मद से मात्र राज्य छात्रवृत्ति तथा शिष्यवृत्ति प्रदान किये जाने एवं छात्रावास-आश्रमों में स्वीकृत सीट के अधीन प्रवेश दिए जाने की सुविधा प्रदान करने की सहमति दी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने पर केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ-साथ राज्य की ओर से अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी, जो सोलर प्लांट की क्षमता (1 किलोवाट, 2 किलोवाट, 3 किलोवाट और उससे अधिक) के आधार पर अलग-अलग होगी। उदाहरण के लिए, 1 किलोवाट प्लांट के लिए कुल 45,000 रूपए, (30,000 रूपए केंद्रीय और 15,000 रूपए राज्य सहायता) जबकि 3 किलोवाट या उससे अधिक के प्लांट के लिए 1,08,000 रूपए (78,000 रूपए केंद्रीय और 30,000 रूपए राज्य सहायता) की मदद मिलेगी। हाउसिंग सोसाइटी/ रेसिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के लिए भी इसी तरह की सहायता प्रस्तावित की गई है। यह अनुदान राशि ष्टस्क्क्ष्ठ-ष्टरु को अग्रिम रूप से मिलेगी और वही इसे लाभार्थियों को देगी। वर्ष 2025-26 में 60,000 और 2026-27 में 70,000 सोलर पावर प्लांट की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 180 करोड़ एवं 2026-27 में 210 करोड़ रूपए का वित्तीय भार आएगा।

सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना हेतु महत्वपूर्ण निर्णय

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और बिजली उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घर की छतों में सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना में राज्य शासन द्वारा उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता दिए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

CSPDCL इस योजना की कार्यान्वयन एजेंसी होगी और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे लागू करेगी। कंपनी इस योजना के संचालन के लिए एक अलग बैंक खाता खोलेगी, जिसमें सब्सिडी की राशि रखी जाएगी और उसका हिसाब-किताब किया जाएगा। राज्य वित्तीय सहायता उन घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से दी जाएगी जिनके सोलर प्लांट का ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन 1 अप्रैल 2025 या उसके बाद हुआ है।

मंत्रिपरिषद ने राज्य में वन्यजीव, खासकर बाघों के संरक्षण और ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'छत्तीसगढ़ टाइगर फाउंडेशन सोसायटी' का गठन करने का निर्णय लिया है। यह सोसायटी वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत काम करेगी।

दंतेवाड़ा में शुरू हो रही कोल्ड स्टोरेज की बड़ी सुविधा

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले में खेती और जंगल से मिलने वाली उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने और किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य दिलाने के लिए एक बड़ी शुरुआत की जा रही है। जिले के पातररास गांव में केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से पहली बार एक ऐसा आधुनिक केंद्र बनाया जा रहा है जहां कोल्ड स्टोरेज, खाद्यान्न और वनोपज को खराब होने से बचाने के लिए रेडिएशन जैसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। यह कार्य प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत हो रहा है। यह पूरे देश में सरकारी स्तर पर बनने वाली अपनी तरह की पहली सुविधा है। इस परियोजना से बस्तर की तस्वीर बदलेगी। बस्तर क्षेत्र में इमली, महुआ, जंगली आम, देशी मसाले और मोटे अनाज जैसे बाजरा जैसी उपज होती है। लेकिन सही तरीके से उन्हें संरक्षित रखने और बेचने की सुविधा नहीं होने से हर साल 7 से 20 प्रतिशत उपज खराब हो जाती है।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ की छात्रवृत्ति योजना से 38 हजार से अधिक मेधावी छात्र-छात्राएं लाभान्वित

वन मंत्री ने कहा तेन्दूपत्ता संग्राहकों के बच्चों को शिक्षा में मदद देने की महत्वपूर्ण पहल

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना ने वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने की दिशा में महत्वपूर्ण रोल अदा कर रही है। वर्ष 2013-14 में प्रारंभ की गई छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना की परिकल्पना के समय यह अनुमान था कि लगभग 100-100 मेधावी छात्र-छात्राएं इससे लाभान्वित होंगे, लेकिन बीते वर्षों में योजना की व्यापकता और प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वर्ष 2019-2020 से अब तक कुल 38,114 छात्र-छात्राओं को इस योजना के माध्यम से 41.79 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति राशि ऑनलाइन माध्यम से वितरित की गई है। छात्रवृत्ति योजना में कुल चार प्रमुख घटक शामिल हैं जिसके तहत मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति, प्रतिभाशाली बच्चों हेतु शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति, व्यावसायिक कोर्स हेतु छात्रवृत्ति तथा गैर-व्यावसायिक स्नातक कोर्स हेतु छात्रवृत्ति शामिल है। इन सभी श्रेणियों के अंतर्गत 2,500 से 25,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की जाती है, जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने में आर्थिक संबल मिलता है।

वन मंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा संचालित यह योजना न केवल आर्थिक रूप से पिछड़े वनवासी क्षेत्रों के छात्रों को शिक्षा से जोडने् में मदद कर रही है, बल्कि उनके भविष्य को भी सशक्त बना रही है। यह पहल राज्य सरकार के शिक्षित और सशक्त छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

इंडिगो फ्लाइट का गेट हुआ लॉक रायपुर एयरपोर्ट में यात्री हुए परेशान

विजयमत, रायपुर

अहमदाबाद घटना के बाद से हवाई उड़ान को लेकर इन दिनों यात्री कुछ संशय के साथ सफर कर रहे हैं। आज एक घटना से फिर यात्री हड़बड़ा गए,मामला रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट का है,दिल्ली से रायपुर पहुंची इंडिगो फ्लाइट 2.25 पर लैंड तो हो गई,लेकिन फ्लाइट का गेट लॉक हो गया। कुछ देर तक गेट लॉक रहा। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक चातुरी नंद और रायपुर महापौर मीनल चौबे समेत 35 से ज्यादा लोग सवार थे। हालांकि इसे तकनीकी कारण बताया गया,कोई घटना या दुर्घटना संभावित नहीं था। लेकिन यात्रियों में दहशत देखी गई। महापौर मीनल चौबे जो कि स्वंय इसमें यात्री थी ने बताया कि फ्लाइट की तो सुरक्षित लैंडिंग हो गई लेकिन फ्लाइट के अंदर गेट में जो स्क्रीन रहती है उसमें कुछ नहीं बता रहा था। इसी वजह से गेट नहीं खुल रहा था। इससे बाहर आने में विलंब हुआ है। कोई मेजर प्रॉब्लम नहीं थी।

सरकार नहीं चाहती किसान, धान की पूरी पैदावार लें : भूपेश बघेल

विजय मत, रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि सरकार नहीं चाहती किसान, धान की पूरी पैदावार ले सके। इसीलिये पूरे प्रदेश में उर्वरकों विशेषकर डीएपी, एनपीके का संकट पैदा किया जा रहा, किसानों को बीज नहीं उपलब्ध करवाया जा रहा, सरकार की मंशा धान के रकबे को कम करना है ताकि समर्थन मूल्य पर कम धान खरीदना पड़े। यहां की जलवायु और मिट्टी धान के फसल के अनुकुल है। खरीफ का धान हमारे किसानों की प्रमुख उपज है। इसमें व्यवधान राज्य के किसानों के लिये घातक है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार दूसरी फसलों को बढ़ावा दे, लेकिन किसानों का नुकसान कर के ऐसा किया जायेगा तो ठीक नहीं है। किसानों को नुकसान पहुंचा कर नहीं लाभ देकर दूसरी फसलों की ओर प्रेरित किया जाये। हमारी सरकार थी तब हमने राजीव गांधी किसान न्याय योजना में धान के किसानों को 9000 रू. प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देते थे। दूसरे फसल लेने वालो को 10000 रू. प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देते थे। किसानों का नुकसान नहीं होना चाहिये।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मानसून की दस्तक शुरु हो गयी है। खरीफ की बुवाई खाद और बीज की कमी के कारण प्रभावित हो रहा है, भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ के अन्नदाता किसानों की समस्या का कोई ख्याल नहीं है। मानसून बस्तर आ चुका है, पूरे प्रदेश में खरीफ फसल के बुवाई की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है, खुर्रा वाले किसान प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं, लेकिन प्रदेश में खाद और बीज की समुचित व्यवस्था यह सरकार नहीं कर पाई है। प्रदेश के ज्यादातर सोसाइटी में किसानों को डीएपी की कमी से जूझना पड़ रहा है, ज्यादातर स्थानों पर बोनी और थरहा के लिए बीज भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है, जिसके चलते किसान परेशान हैं।

स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल

जिला अस्पताल हुआ तर-बतर, भरा बारिश का पानी

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में लगातार स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था सामने आती रही है। एक बार फिर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के गृह जिले मनेंद्रगढ़ से सिस्टम की पोल खोलने वाला मामला सामने आया है, जहां जिला अस्पताल के अंदर बारिश का पानी भर गया है। अस्पताल के चारों तरफ पानी भरने से भवन निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। बता दें कि इससे पहले भी स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का मामला आया था, जहां अस्पताल में बेड नहीं मिलने से एक बीमार बच्ची की मौत हुई थी। इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पहली ही बारिश ने एमसीबी जिला अस्पताल भवन की गुणवत्ता की पोल खोल दी। अस्पताल के चारों तरफ बारिश का पानी भरने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि अस्पताल भवन के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर निर्माण के समय ही सीजीएमएससी पर कई सवाल उठे थे पर स्वास्थ्य विभाग ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसका खामियाजा अब मरीजों को भुगतना पड़ रहा। अस्पताल में पानी भरने से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने जिला अस्पताल का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसमें अस्पताल के चारों तरफ बारिश का पानी भरा हुआ है।

बता दें कि इससे पहले भी मनेंद्रगढ़ में स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था सामने आई थी, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में उल्टी-दस्त से पीड़ित डेढ़ साल की बच्ची को बेड नहीं मिला। समय पर इलाज नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई थी। बच्ची एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ के चैनपुर गांव की रहने वाली थी। परिजनों ने बताया था कि दो दिन पूर्व बच्ची की तबियत खराब होने पर उसे मनेंद्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां डॉक्टर ने बेड खाली नहीं होने पर बच्ची को एडमिट नहीं किया, जबकि बच्ची की हालत बहुत ज्यादा खराब थी। बच्ची की हालत देखकर दूसरे दिन 55 किलोमीटर दूर बस से बच्ची को लेकर जिला अस्पताल बैकुंठपुर लाए, तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

नशे में धुत हिस्ट्रीशीटर ने कार से बाइक सवारों को मारी ठोकर

युवती समेत 4 की मौत, पुलिस ने किया गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

बीते रविवार की रात को पेण्ड्रा थाना क्षेत्र के सेवरा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों और एक युवती की मौत हो गई। हादसे को अंजाम देने वाला आरोपी स्नेहिल गुप्ता शराब के नशे में धुत था और अपनी तेज़ रफ्तार ब्रेज़ा कार से सामने से आ रही दो मोटरसाइकिलों को जोरदार होकर मार दी।

इस हादसे के बाद उसने मृतकों के परिजनों से मौके पर बदसलूकी भी की और धौंस जमाते हुए कहा कि तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

आरोपी स्नेहिल गुप्ता पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) समेत कई गंभीर गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि 25 वर्षीय स्नेहिल गुप्ता मरवाही का रहने वाला है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वावरा आसमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक सीता शुक्ला। प्रधान संपादक विजय शुक्ला*। आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997